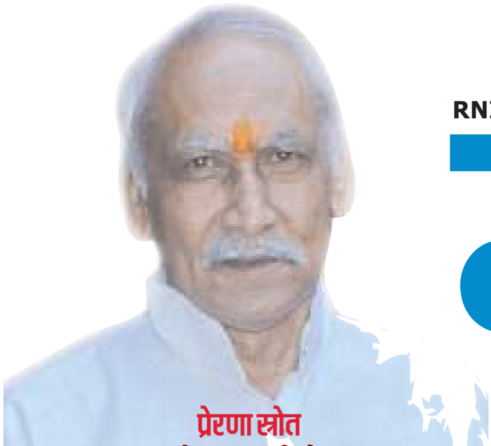

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

यहां कोई भी आपका सपना पूरा करने के लिए नहीं हैं, हर कोई अपनी तक़दीर और हक़ीकत बनाने में लगा है।

ओशो

वर्ष-05, अंक - 05 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 03 नवम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

शराब माफियाओं को संरक्षण देने वाली शिवराज सरकार व नुमाइंदों की हकीकत आ रही सामने

पुलिस का नशा मुक्ति अभियान मात्र ढकोसला, जिले के गांव-गांव के साथ अन्य प्रदेश में जा रही अब भी बड़ी मात्रा में अवैध शराब

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। प्रदेश में उमाभारती अवैध शराब व्यवसाय व शराब बंदी मुहिम के तहत सड़कों पर उतर रही है। वही शिवराज सरकार व नुमाइंदे शराब माफियाओं को संरक्षण देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। शिवराज सरकार ने कहने को तो मंचों पर एक भी शराब दुकान प्रदेश भर में नहीं बढ़ाई जाएगी कहते रहे हैं। वही दुसरी ओर शिवराज सरकार ने शराब माफियाओं को संरक्षण देते हुए कम्पोजिट शराब दुकान की पॉलिसी लाकर देषी पर विदेशी व विदेशी पर देषी शराब बेचने की व्यवस्था के साथ ही दोगुनी दुकानें प्रदेश में कर दी गई। यानी जिस लाव-लश्कर के साथ पहले विदेशी शराब दुकान होती थी, उसी तरह देषी दुकान पर भी विदेशी शराब बेचने की पालिसी के साथ देषी कम्पोजिट दुकान का स्थान परिवर्तन कर उसी देषी कम्पोजिट दुकान को लाव-लश्कर के साथ विदेशी शराब बेचने के साथ शराब माफियाओं को अवैध शराब के कारोबार करने हेतु खुले रूप से सुविधा दी गई। इसी तरह षिवराज की भाजपा सरकार ने कहने को तो कंपोजिट दुकान के साथ टीपी परमिट की व्यवस्था को बंद कर दिया था, लेकिन कुछ दिनों में ही शिवराज सरकार ने शराब माफियाओं को संरक्षण देते हुए टीपी परमिट की सुविधा देने पर पुनः विचार किया और अब फिर से पूरे जिले में टीपी परमिट के नाम पर शराब माफिया एक दुकान से जिले की किसी भी दुसरी शराब दुकान पर शराब परिवहन करने के नाम पर क्षेत्र में अवैध शराब अड्डों पर शराब ढोई जाती है। शिवराज सरकार के इस खुल्ले संरक्षण के साथ शराब माफिया उर्फ सेंडीकेट को इतना प्रभावी बनाया जा रहा है कि, आने वाले विधानसभा व लोकसभा चुनावों में भाजपा उम्मीद्वारों के लिए कहीं न कहीं माफिया रुपी सेंडीकेट की सहमति को मान्यकर कर उनका चुनावी खर्च भी यह माफिया ही उठाने की व्यवस्था की गई है। यही अभी तक शिवराज सरकार के शराब माफियाओं को संरक्षण के साथ बनी पॉलिसी को देखते हुए दिखाई दे रहा है।

वहीं दूसरी ओर अपनी शराब माफियाओं को संरक्षण देने वाली पालिसी पर धूमिल हुई छवि व उमा भारती के अभियान को विराम देने हेतु शिवराज सरकार व सरकार के नुमाइंदे उर्फ पुलिस प्रशासन की नाटकीय रूप से आदेश-निर्देश व कार्रवाई सार्वजनिक रूप से देखने को मिल रही है।

शिवराज सरकार व प्रशासनिक नुमाइंदों की ''छवि सुधार नाटकीय प्रक्रिया'' भोपाल के लाल परेड मैदान में राज्यस्तरीय ''नशा मुक्ति अभियान'' के शुभारंभ के साथ दिखने को मिल रहा है।

ठेकेदार के उक्त बोलेरो जीप से रेकी कर अवैध शराब सप्लाई करने वाले वाहन को नही किया जप्त।

ग्रामीणो ने पकड़ी अवैध शराब।

लाल परेड मैदान पर 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ कर, नशे की गतिविधियों को नियंत्रित करने की आबकारी नीति बनाने की बात कही थी। वही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने उमा भारती को प्रेरणादाई बताकर उनके द्वारा चलाई जा रही शराब विरोधी मुहिम को समाज की भलाई का संकल्प अभियान शुरू किया है कहा था। साथ ही शिवराज सिंह ने अपने आपको उमा भारती का भाई बताकर उमा भारती को आश्वस्त किया कि, शिवराज सरकार, समाज को नशा मुक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वही शराब नियंत्रण के लिए नई आबकारी नीति बनाने का भी कहा। तथा आबकारी नीति बनाने के साथ कहा था कि, सरकार का काम सड़क, पुल बनाना ही नहीं बल्कि इंसान की जिंदगी बचाना भी है। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने जिस जिले में व क्षेत्र में अवैध शराब व ड्रग्स पकड़ी जाएगी वहां के पुलिस अधिकारियों के ऊपर कार्यवाही की जाएगी जिसके तहत प्रदेश के चौकी थानों से लेकर पुलिस महानिदेश तक को शिवराज ने शख्स लफ्ज़ों में निर्देश देकर अपने विशेष खुफिया तंत्र लगाकर अवैध कारोबार को नष्ट करने के निर्देश दिए थे।

जिसके बाद गुजरात से सटे झाबुआ एवं अलीराजपुर जिले की पुलिस भी हरकत में आई और अपने सरकार रूपी आका शिवराज चौहान को खुश करने हेतु गांव-गांव में नशा मुक्ति अभियान चलाकर, नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई,जो सराहनीय है। लेकिन यह सब ढकोसला ही साबित हो रहा है। पुलिस अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई के नाम पर दस-बीस लीटर अवैध शराब का प्रकरण आपसी सहमति के साथ टारगेट पूर्ति करने हेतु अवेध विक्रेताओं से शराब लेकर उनके मुलाजिम एवं शराब पीने वाले ग्राहकों के नाम से प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई के नाम पर वाह-वाही पुलिस लूट रही है। जबकि हम झाबुआ जिले की ही बात करें तो जिले का शराब माफिया उर्फ सरगना अलकेश बाकलिया के निर्देशन में गांव-गांव में अवैध शराब के अड्डों पर दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों से शराब ढोई जा रही है। वहीं सीमावर्ती दुकानों से गुजरात में भी शराब ढोई जा रही है। इतना ही नहीं शिवराज सरकार के नुमाइंदों उर्फ़ पुलिस प्रशासन चौकी-थाना परिसर से मात्र सौ से हजार मीटर के दरमियान ही शराब के अवैध अड्डे संचालित करवाकर पुलिस स्वयं अवैध शराब बिकवा रही है। लेकिन पुलिस इन शराब ठेकेदारों के द्वारा अवैध रूप से ढोई जाने वाली शराब के विरुद्ध कोई बड़ी कार्रवाई नहीं करती है। बल्कि ठेकेदारों के नुमाइंदों के इशारों पर बाहरी क्षेत्र से जिले में आने वाली शराब को पुलिस जरूर पकड़ती है। जिसके उदाहरण के रूप में पेटलावद में सब्जी की आड़ में ले जाई जा रही अवैध शराब को जप्त की। रविवार रात्रि में सरदारपुर-राजगढ़ की ओर से चार पहिया वाहन में आ रही अवैध शराब को पारा पुलिस ने जप्त किया।

यहां भी हुई पुलिस की सांठ-गांठ उजागर

राणापुर थाने की कंजावानी पुलिस चौकी क्षेत्र में ग्रामीणों ने मंगलवार रात में एक पिकअप एक बोलेरो जीप को तेज गति से आते हुए देख संधिक अवस्था में रोका गया। वाहन को रोकने के बाद पेक बॉडी पिकअप में अवैध शराब की पेटियां मिली, जिसके बाद पुलिस को ग्रामीणों ने सूचना दी। सुचना पर पुलिस रात्रि में मौके पर पहुंची, तो ग्रामीणों ने पुलिस को बोलेरो जीप व पिकअप वाहन को शराब के साथ सुपुर्द किया, साथ ही ग्रामीणों के हत्थे चढ़े राणापुर शराब दुकान का फील्ड मैनेजर विजय सोनी व चालक प्रकाश प्रजापत को भी पुलिस के सुपुर्द किया गया। वहीं कुछ शराब सप्लाई करने वाले अन्य कर्मचारी ग्रामीणों के चंगुल से भाग निकले जिसमें से एक का नाम यशवंत यादव जोकि राणापुर शराब ऑफिस का मैनेजर बताया जा रहा है।

शराब की जानकारी रखने वाले ने बताते है कि, वर्तमान में पुलिस की मुहिम के चलते गुजरात से आने वाले शराब विक्रेता राणापुर शराब दुकान पर आकर शराब नहीं भरते हैं, जिस पर ठेकेदार के नुमाइंदे प्रतिदिन ही क्षेत्र की संपूर्ण अपनी जवाबदारी के साथ ठेकेदारों के वाहनों में राणापुर शराब दुकान से शराब ढोकर ग्रामीण क्षेत्र के सुनसान इलाकों में गुजरात से आए वाहनों में क्रॉसिंग दे देते हैं। इसी तरह मंगलवार को भी एक बोलेरो में रैकी के साथ अन्य 2-3 चार पहिया वाहन राणापुर शराब दुकान से शराब भरकर क्रॉसिंग हेतु निकले और गुजरात की पिकअप में शराब क्रॉसिंग कर आगे-आगे बोलेरो से यशवंत यादव, विजय सोनी, चालक प्रकाश प्रजापत के साथ एमपी सीमा क्षेत्र तक छोड़ने जा रहे थे कि, रास्ते में ही ग्रामीणों ने उक्त वाहनों को पकड़ पुलिस के सुपुर्द कर दिया। लेकिन पुलिस ने ठेकेदार की बोलेरो जीप को जब्ती में नहीं लेकर पुलिस व ठेकेदार की सांठ-गांठ को सार्वजनिक करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

टीआई कैलाश चौहान ने 160 पेटी अवैध विदेशी शराब जिसमें 25 पेटी बियर, 85 पेटी बेगपायपर, 48 पेटी रायल विस्की, 2 पेटी गोवा आदि के साथ करीब 15 सौ लीटर शराब व पिकअप वाहन को जप्त करना बताया। मौके पर बोलेरो जीप को जप्ती में लिया या नहीं और उक्त बोलेरो जीप किसकी थी...? के जवाब में टीआई साहब की जुबान लड़खड़ाने लगी और कहा बोलेरो जीप साथ में थी यह सही है, उक्त जीप में आगे-पीछे चल शराब की गाड़ी को ले जाने वाले लोग थे, उक्त बोलेरो जीप को जब्त नहीं किया बताया।

राणापुर शराब दुकान का फिल्ड मेंनेजर विजय सोनी जो ग्रामणो के हत्थे चढ आया पुलिस की गिरफ्त में।

जिले में शराब माफियाओं को सरंक्षण देने वाली पुलिस ने नहीं किया प्रेस नोट तक जारी

नशा मुक्ति मुहिम के साथ ही पुलिस कप्तान अगम जैन ने पुलिस व अवेध शराब विक्रेताओ की आपसी सहमति के साथ टारगेट पूर्ति के लिए 10-20 लीटर की शराब जब्ती की एक बड़ी संख्या बताकर कार्रवाई करने के संबंध में प्रेस नोट जारी कर वाह-वाही लुटी। परंतु ग्रामीणों के माध्यम से ठेकेदारों की पकड़ी गई अवैध शराब का प्रेस नोट तक जारी नहीं करना भी, यह बताता है कि पुलिस की कार्रवाई सिर्फ शराब ठेकेदार के संरक्षण के साथ ही शुरु व खत्म होती है। नतीजन राणापुर क्षेत्र में जिस तरह से जीप में अवैध शराब ढोकर जा रही थी उसी तरह प्रतिदिन जिले की प्रत्येक लाइसेंसी शराब दुकानो, खासकर सीमावर्ती दुकान से शराब ढोई जाती है यह नशा मुक्ति अभियान के साथ खुलासा होकर, शिवराज सरकार व प्रशासनिक नुमाइंदो की नाकामी या फिर उन्हें संरक्षण देने वाली कार्रवाई कहे खेर जो भी हो जिले में शराब माफिया बेखौफ होकर नशा मुक्ति अभियान को ठेगा बता रहा है और षिवराज सरकार के निर्देश व प्रंषासनिक कार्रवाई महज ढकोसला ही साबित हो रही है।

ग्रामीणो की चंगुल सें भाग निकला शराब ठेकेदार का नुमाईन्दा यशवंत यादव पुलिस ने नही बनाया आरोपी।

लद्दाखः तेज हुई पूर्ण राज्य की मांग

लेह। अनुच्छेद 370 हटने के बाद अलग केंद्र शासित प्रदेश बने लद्दाख में पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग तेजी हो गई है। यहां लेह और करगिल के लिए अलग से लोकसभा और राज्य सभा सीट और रोजगार को लेकर भी प्रदर्शन किए गए। करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और अपेक्स बॉडी लेह (एलएबी) ने संयुक्त रूप से जुलूस और प्रदर्शन का आयोजन किया था। इन दोनों ने शेरिंग दोरजे और नसीरर मुंशी के नेतृत्व एक कोर कमिटी बनाई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि, इस रैली में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। वे नारे लगा रहे थे। लेह और करगिल की सड़कों पर लोग हाथों में तिरंगा झंडा लेकर प्रदर्शन करने उतरे। 2019 में लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग करके केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था। लेह में रैली की शुरुआत पोलो ग्राउंड में एक पेट्रोल पंप के पास से हुई। लोग केंद्रीय गृह मंत्री से अपनी मांगें पूरी करने की मांग कर रहे थे। दोरजे ने कहा, हम अपने अधिकार मांग रहे हैं, कोई भीख नहीं मांग रहे हैं। हमारी मांग है कि लद्दाख को पूर्ण राज्य घोषित किया जाए। संविधान की 6वीं अनुसूची की तहत अधिकार दिए जाएं। युवाओं को रोजगार मिले और अलग से लोकसभा और राज्य सभा की सीट बनाई जाए।

लेह के अलावा करगिल में भी हुसैनी पार्क से लाल चौक तक रैली निकाली गई। अपेक्स बॉडी लेह के साथ अन्य दल भी इसमें शामिल थे। पहले भाजपा भी एलएबी का ही हिस्सा थी। हालांकि अब भाजपा इससे अलग हो गई है। वहीं केडीए कई राजनीतिक और धार्मिक दलों का संगठन है। बता दें कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग अलग यूनियन टेरिटरी बनाया गया। जम्मू-कश्मीर को विधानसभा के साथ केंद्र शासित प्रदेश में शामिल किया गया। वहीं लद्दाख को बिना विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश के रूप में मान्यता दी गई।

उस वक्त लेह में भी लोगों ने जश्न मानाया था। हालांकि अब लोगों का कहना है कि, प्रदेश का शासन पूरी तरह से नौकरशाहों के हाथ में है और यहां के स्थानीय लोगों की कोई भूमिका ही नहीं है। लद्दाख को बाहर से आकर लोग चलाते हैं और यहां के लोगों की समस्याएं अलग ही रह जाती हैं।

उन्होंने कहा कि, करगिल ऑटोनोमस हिल डिवेलपमेंट काउंसिल की भी भूमिक नगण्य हो गई है। अब केवल कहने के लिए वे स्वतंत्र हैं। इससे पहले जम्मू-कश्मीर की सरकार किसी भी तरह से इस काउंसिल में दखल नहीं देती थी। वहीं कोर कमिटी की संचालक नसीर मुश्ली ने कहा कि इतिहास में पहली बार हुआ है कि जब अपने अधिकारों और भविष्य के लिए लेह और करगिल के संगठन साथ आए हैं। लद्दाख के प्रशासन में बदलाव के बाद लोगों की जमीन चली गई है और रोजगार नहीं मिल रहे हैं। अब अपना मिलाजुला अजेंडा लेकर करगिल और लेह साथ आए हैं। अनुच्छेद 370 हटने के बाद यहां भर्तियां नहीं हुई हैं।

गांधीवादी इला भट्ट का निधन, पीएम मोदी ने जताया शोक

अहमदाबाद, एजेंसी। महिला अधिकार कार्यकर्ता और समाज सेवी इला भट्ट का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके सहयोगियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, वो उम्र संबंधी बीमारियों से ग्रसित थीं, बुधवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। भट्ट एक महिला अधिकार कार्यकर्ता थीं, साथ ही वो स्व-रोजगार महिला संघ (सेवा) की संस्थापक भी थीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन को शोक जताया है।

इला भट्ट के निधन की पुष्टि करते हुए सेवा, भारत ने भी ट्वीट किया कि, यह अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जा रहा है कि हम अपनी प्रिय और सम्मानित संस्थापक श्रीमती इलाबेन भट्ट के निधन की घोषणा कर रहे हैं। उन्होंने महिला श्रमिकों के अधिकारों को लेकर एक अग्रणी भूमिका निभाई है। हम उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश करते रहेंगे।

अग्निवीर भर्तीः फर्जी दस्तावेज के साथ पकड़ाए 15 अभ्यार्थी

भोपाल। राजधानी भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में अग्निवीर की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। इसमें 9 जिलों में करीब 45 हजार युवा भाग लेंगे। अब तक करीब 20 हजार युवा भर्ती में भाग ले चुके है। जिनमें से लगभग एक हजार 700 युवाओं का फिजिकल में चयन हुआ है। लेकिन इसी प्रक्रिया के बीच राजधानी भोपाल में अग्निवीर भर्ती परीक्षा के 6वें दिन एमपी के फर्जी दस्तावेज के साथ यूपी के 15 अभ्यार्थी पकड़ाए है। इनके पास से डुप्लीकेट मूल निवास प्रमाण पत्र और मार्कशीट पाई गई है। फिलहाल इन लोगों से पुलिस और आर्मी इंटेलीजेंस पूछताछ कर रही है। दरअसल, बुधवार को भर्ती में दौड़ में भाग लेने के बाद पास होने वाले अभ्यार्थियों के दस्तावेजों का वेरिफिकेशन चल रहा था। इसमें फर्जी दस्तावेजों के शंका होने पर 15 अभ्यार्थियों को पकड़ा गया है। इनसे फर्जी दस्तावेज बनाने वाले रैकेट का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है।

प्रदूषण के कारण राजधानी की बिगड़ रही तबियत

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों की आहट के साथ ही वायु प्रदूषण का लेवल भी तेजी से बढ़ा है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत एनसीआर के शहरों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स का स्तर बेहद गिर गया है। इसके चलते लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और ऐसे लोगों की भी बड़ी संख्या है, जिन्हें अस्पतालों में एडमिट होना पड़ा है। मेदांता अस्पताल के चेस्ट सर्जरी इंस्टिट्यूट के चेयरमैन डॉ. अरविंद कुमार ने भी इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि एयर क्वॉलिटी इंडेक्स खराब होने के चलते लोगों की आंखों में जलन हो रही है। आंखें लाल हो जा रही हैं और अकसर पानी बहता रहता है। इसके अलावा नाक में भी जलन हो रही है और ओठों पर भी असर हो रहा है।

उन्होंने कहा कि, एयर क्वॉलिटी इंडेक्स खराब है और हवा में धुएं का स्तर बढ़ गया है। डॉ. अरविंद कुमार ने कहा कि, धुंआ सीने में जा रहे हैं, जिसके चलते लोगों को जलन की समस्या पैदा हो रही है। फेफड़ों में भी लोगों को दिक्कत हो रही है। इसके अलावा लोगों का गला भी खराब हो रहा है। यदि आप अपनी जीभ को छुएंगे तो वहां भी आपको अजीब सा टेस्ट लगेगा। उन्होंने कहा कि, यह प्रदूषित हवा फेफड़ों से होते हुए रक्त में पहुंचती है और फिर सिर से लेकर तलवे तक यह पहुंच जाती है। हम कह सकते हैं कि इस प्रदूषण से शरीर का हर अंग प्रभावित हो रहा है।

यही नहीं मेदांता के डॉक्टर ने कहा कि, बीते कुछ दिनों में प्रदूषण के चलते अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां आईसीयू में लोग चेस्ट इंफेक्शन और निमोनिया से पीड़ित होकर भर्ती हो रहे हैं। यह सबूत है कि किस तरह से प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। चेस्ट इंफेक्शन और निमोनिया से पीड़ित होकर आईसीयू में भर्ती होने वाले लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि, इससे दिमाग पर भी असर पड़ रहा है और बच्चों के चिड़चिड़े होने का खतरा है। वहीं बुजुर्ग लोगों में इस पलूशन के चलते स्ट्रोक का खतरा 10 गुना तक बढ़ सकता है।

निर्माण कार्य बंद, मजदूरों को मिलेगा हर्जाना

दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ने के बाद निर्माण कार्यों पर रोक लग गई है जिससे मजदूरों की कमाई ठप्प हो गई है। सरकार ने अब मजदूरों के लिए 5 हजार रुपए के हर्जाने की घोषणा की है।

स्कूली बच्चों और सरकारी तंत्र के इर्द-गिर्द ही घूमता रहा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

आमजन को न ही कोई भनक और न ही कोई सरोकार

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर होने वाले सात दिवसीय कार्यक्रम भी क्या होंगे कागजी घोड़े साबित...?

माही की गूंज, झाबुआ।

1 नवम्बर को प्रदेश सहित जिले में भी मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की जानकारी शायद आमजन तक पहुंच ही नहीं पाई या यह कहा जाए कि आमजन को ना तो इसकी भनक लगी और ना ही उन्हे इससे कोई मतलब दिखाई दिया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का पूरा कार्यक्रम स्कूली बच्चों और प्रशासनिक तंत्र के इर्द-गिर्द ही नजर आया। प्रशासनिक तंत्र के इर्द-गिर्द घूमते इस आयोजन में आमजन लगभग नदारद रहा तो कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों और स्कूली बच्चों की भरमार ही रही। उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में हुए मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के आयोजन की जानकारी आमजन से कोसो दूर रही। हालांकि जनसंपर्क विभाग ने जरूर इस आयोजन को लेकर प्रेसनोट जारी किए मगर आमजन का मानो इससे कोई सरोकार ही नहीं। आमजनता की प्रशासन के इस आयोजन से दूरी प्रशासन पर कई सवाल खड़े करती दिखाई दे रही है। जिन लोगों को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की जानकारी थी उन्होने भी सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते हुए अपने सोशल मीडिया मित्रों को इस दिवस की शुभकामनाएं दी लेकिन मुख्य आयोजन से दूरी ही बनाए रखी। ऐसा लग रहा था मानों मध्यप्रदेश स्थापना दिवस को जिले में औपचारिक रूप से प्रशासन ने मनाया हो।

मुख्य आयोजन पर कुर्सी धारियों का ही कब्जा रहा। इस पूरे आयोजन का मजा सिर्फ कुर्सीधारियों ने ही उठाया। सांसद, विधायक ,जिला पंचायत अध्यक्ष और नगरपालिका अध्यक्ष सहित कुर्सीधारी ही कार्यक्रम का मुख्य केंद्रबिंदू रहे। सांसद, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों का मुख्य आयोजन में थिरकना ऐसा प्रतीत हो रहा था मानों प्रशासन ने आयोजन कर जनप्रतिनिधियों से मुजरा करवाया हो। हालांकि आयोजन में स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक मनमोहक प्रस्तुतियां लाजवाब थी। इन प्रस्तुतियों पर बच्चों को पुरूस्कार भी वितरण किया गया। कार्यक्रम शुभारम्भ मुख्य अतिथि कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के द्वारा ध्वजारोहण कर सलामी लेने के साथ हुआ। इस दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती सोनल जसवंतसिंह भाभर, सांसद रतलाम-झाबुआ गुमानसिंह डामोर, विधायक विधानसभा क्षेत्र झाबुआ कांतिलाल भूरिया, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमन वैष्णव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीएल कुर्वे, एडीएम एस एस मुजाल्दा, एसडीएम सुनिल कुमार झा मंच पर उपस्थित थे।

मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होने की सूरत में मंचासीन सभी अतिथियों को दर्शक दीर्घा में बैठाया गया। लेकिन यहां भी आगे बैठने को लेकर कुर्सीधारियों में होड़ मची रही। आगे की कुर्सीयों पर कब्जा करने की मंशा से भरे कुछ कुर्सीधारियों ने कब्जा कर लिया तो कुछ को पीछे की पंक्ति में बैठकर ही संतोष करना पड़ा। आगे की पंक्ति में जगह न मिलने के कारणनव निर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष अपने पार्षदों के साथ पीछे की पंक्तिमें बैठी नजर आई। कई लोगों ने इसे मुद्दा बनाने की कोशिश की लेकिन नतीजा सिफर ही रहा। कार्यक्रम में ध्वजारोहण के बाद सभी ने राष्ट्रगान और मध्यप्रदेश गाान भी गाया। मुख्य अतिथि के कलेक्टरश्रीमती सिंह ने सभी को मध्यप्रदेश के सर्वांगिण विकास के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का संकल्प दिलाया।

समारोह स्थल पर अतिथियों के द्वारा लोकतंत्र सेनानी योगेन्द्र भावसार, विमल कांठी, मसूर भूरिया को शॉल, श्रीफल एवं पुष्पहार से सम्मानित किया गया। आपात काल के लोकतंत्र सेनानीयों के इस सम्मान में कांग्रेस के झाबुआ विधायक को आगे कर दिया गया। जबकि कांग्रेस सरकार ने ही आपात काल लगाया था। मगर कांग्रेसी विधायक कांतिलाल भूरिया ने गर्मजोशी से लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया। लोकतंत्र सेनानी कांग्रेस सरकार की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान जेल या थानों में निरूद्ध किए गए लोग है। इस मुद्दे को लेकर भाजपा हमेशा से ही कांग्रेस पर हावी रही है, और कांग्रेस हमेशा से बेकफुट पर। 2018 में विधेयक लाकर भाजपा की सरकार ने इन्हे लोकतंत्र सेनानी घोषित किया था। लोकतंत्र सेनानियों में अधिकतर आरएसएस और जनता पार्टी के लोग है। झाबुआ विधायक भूरिया से जब इस संबंध में मीडिया ने प्रश्न किया तो वे बौखलाहट भरे लहजे में कहने लगे मुझे क्या पता ये लोग कौन है। मुझे हार पहनाने का कहा गया तो मैने पहना दिए, इसमें गलत क्या है।

कुल मिलाकर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस प्रशासन की हंसी ठिठोली बनकर रह गया। चूंकि सुबह मुख्य आयोजन में मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन नहीं था। मुख्यमंत्री का संदेश शाम 7 बजे होना था। इसलिए कार्यक्रम का दो हिस्सों में बांट दिया गया। सुबह हुए मुख्य आयोजन के बाद शाम 7 बजे मुख्यमंत्री का भाषण सुनने चुनींदा लोग ही पहुंचे। प्रशासन का अपना अमला की पूरी तरह से कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुआ। यहां भी स्कूली और छात्रावासों के बच्चों को बली का बकरा बनाया गया। बावजूद इसके मुख्यमंत्री के भाषण के दौरा कार्यक्रम में कुर्सियां खाली पड़ी रही। जिन कुर्सीधारियों को सुबह के कार्यक्रम में बैठने के लिए कुर्सी की लालसा दिखाई पड़ रही थी वे शाम को मुख्यमंत्री का भाषण सुनने कुर्सियों पर बैठने नहीं पहुंचे। कुल मिलाकर आमजनता से दूर प्रशासनिक तंत्र और कुर्सीधारियों के इर्द-गिर्द ही मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का आयोजन दिखाई दिया।

श्री गौवर्धननाथ मंदिर परिसर में परंपरागत रूप से मनाया गया गाय-गौहरी पर्व

प्रातःकाल श्री गौवर्धन पूजा, सांयकाल गाय-गौहरी पर्व बाद अन्नकूट भोग में सैकड़ों भक्तजन हुए शामिल

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के आजाद चैक स्थित श्री गौवर्धननाथ मंदिर (श्री गौवर्धननाथजी की हवेली) में 2 नवंबर, बुधवार को अक्षया नवमी के उपलक्ष में प्रातःकाल श्री गौवर्धन पूजा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने शामिल होकर गौबर से गौवर्धन पर्वत बनाकर विधि-विधान से पूजन की। शाम 4 बजे से पारंपरिक रूप से गाय-गौहरी पर्व मनाया गया। जिसे देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हुए। गौ-माताओं के साथ अतिथि एवं पीछे मंदिर समिति के सदस्यगण भजन-किर्तन करते हुए चले। समापन पर नगरपालिका परिषद् झाबुआ की ओर से गौ-माताओं को लाने वाले समस्त ग्वालों और ग्रामीणजनों का सम्मान किया गया।

जानकारी देते हुए मंदिर के मुखिया दिलीप आचार्य ने बताया कि इस वर्ष 24 अक्टूबर को दीपावली पर्व के एक दिन बाद सूर्य ग्रहण होने से इस दिन गाय-गौहरी पर्व संपन्न नहीं हो सका था। जिसके कारण श्री गौवर्धननाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा निर्णय लिया गया था कि 2 नवंबर को अक्षया नवमी के अवसर पर समस्त गौवर्धननाथ मंदिर की तरह झाबुआ शहर में भी इसी दिन गौवर्धन पूजा, गाय-गौहरी पर्व एवं अन्कूट महोत्सव का एक ही दिन आयोजन किया जाए। जिसके क्रम में ही सुबह 10.30 बजे से मंदिर परिसर में वैष्णव समाज की महिलाओं एवं यमुना महिला मंडल की मातृ शक्तियों ने गौषाला में निवासरत गौ-माताओं के सूखे गौबर से श्री गौवर्धन पर्वत बनाकर उनकी पचांमृत, धूप-दीप आदि से पूजन कर परिक्रमा लगाई। महिलाओं ने विधिवत् पूजन कर परिवार एवं क्षेत्र के सुख-समृद्धि की कामना की। बाद शाम 4 बजे से गाय-गौहरी पर्व होने से 3 बजे से ही आजाद चैक पर मंदिर के बाहर शहर सहित आसपास के अंचलों से ग्रामीणजनों का जमावड़ा शुरू हो गया।

4 बजे से आरंभ हुआ गाय-गौहरी पर्व परपंरागत एवं प्रतीकात्मक रूप से संपन्न हुआ। जिसमें गौषाला की 3 गौ-माताओं के साथ 2-3 अन्य गायों को लेकर ग्वाले शामिल हुए। सभी गौ-माताओं को सजाकर आयोजन स्थल पर लाया गया। पर्व लेट मनाए जाने से इस बार मन्नतधारी नहीं रहे, लेकिन श्री गौवर्धननाथ मंदिर ट्रस्ट एवं भक्तों ने प्राचीनकाल से चली आ रही परंपरा को कायम रखते हुए गायों को लेकर ग्वाले एवं ग्रामीणजन बारी-बारी से 5 बार परिक्रमा करवाते हुए शामिल हुए। जिनके पीछे श्री गौवर्धननाथ मंदिर ट्रस्ट से जुड़े वैष्णवजन एवं भक्तजन ''श्री कृष्ण एवं श्री गौवर्धननाथ प्रभुजी'' के जयकारों करते हुए भज-किर्तन करते हुए चले। आगे पुरूष और पीछे महिलाएं शामिल रहीं।

समापन पर आजाद चैक के मंच पर सभी ग्वालों और ग्रामीणों का नगरपालिका परिषद् की ओर से पुष्पमाला पहनाकर एवं साफा बांधकर सम्मान किया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ भाजपा नेता यषवंत भंडारी ने किया। शाम 5.30 बजे से अन्नकूट महोत्सव के तहत श्री गौवर्धननाथ मंदिर के पट खोले गए। भगवान को अन्नकूट का प्रसाद अर्पण करने के साथ भक्तों ने दर्शन लाभ लिया। तत्पष्चात् शाम 6.30 बजे से महा-मंगल आरती बाद 7 बजे से अन्नकूट प्रसादी वितरित की गई। सभी आयोजन को सा-आनंद एवं सफलतापूर्वक संपन्न बनाने हेतु श्री गौवर्धननाथ मंदिर ट्रस्ट की ओर से आभार माना गया।

सांवरिया सेठ मंदिर पर अन्नकूट सम्पन्न, प्रतिमा का किया आकर्षक श्रृंगार

माही की गूंज, थांदला।

नगर के सांवरिया सेठ मंदिर पर मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव संपन्न हुआ। अन्नकूट महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की। महोत्सव की शुरुआत 'श्री सांवरिया सेठ भगवान' की प्रतिमा के आकर्षक श्रृंगार और महाआरती के साथ हुई। जिसके पश्चात बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने एक पंगत में बैठकर महाप्रसादी ग्रहण की। जानकारी देते हुए गवली समाज के अध्यक्ष जितेंद्र देवा मोरिया, नन्नू भाई पटेल, भेरूलाल मेहते, दिनेश मोरिया आदि ने बताया कि, अन्नकूट का यह 17वा महोत्सव था। उक्त मंदिर पर 14 फरवरी 2022 के दिन धूमधाम से शिव परिवार की स्थापना भी की थी। अन्नकूट महोत्सव में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

इस अवसर पर विधायक वीरसिंह भूरिया, कांग्रेस के युवा नेता जसवंतसिंह भाबर, नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी पणदा, उपाध्यक्ष पंकज राठौड़, पार्षद अखिल जैन, माया सोलंकी, भाजपा मंडल के पदाधिकारी सुनील पणदा, जितेंद्र राठौड़, युवा नेता आनंद चौहान सहित गणमान्य नागरिकों जनप्रतिनिधियों में और समाजसेवी उपस्थित थे।

खेड़ापति हनुमान मंदिर पर लगाये 56 भोग

माही की गूंज, बामनिया।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपोत्सव पश्चात लाभ पंचमी पर मंशापूर्ण खेड़ापति हनुमान जी मंदिर पर अन्नकूट (56 भोग) का आयोजन हुआ। आयोजन में भगवान को 56 भोग लगाए गए एवं भोजन प्रसादी का आयोजन भी हुआ। अन्नकूट के उपलक्ष में मंदिर की आकर्षक सज्जा की गई, महाआरती के साथ आतिशबाजी भी की गई, आयोजन में धर्मप्रेमी जनता ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

छात्रावासों में हुई विभिन्न गतिविधियां, अजजा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष ने लिए चार वचन

माही की गूंज, थांदला।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर नगर के छात्रावास, आश्रमों में छात्रावास दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थाओं में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। विद्यार्थियों ने सामाजिक जागरूकता के तहत ऐसे मार्मिक नाटक प्रस्तुत किए जिसे देखकर उपस्थित नागरिक भावुक हो गए।

उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व विधायक कलसिंह भाबर थे। भाबर ने विद्यार्थियों से अपील की है कि, वह एक सच्चे विद्यार्थी बनकर अपने शहर और प्रदेश का नाम रोशन करें। भाबर ने छात्राओं से 4 वचन लिए जिनमें उन्होंने छात्राओं को अच्छी बेटी, बहन, पत्नी और सास बनने की बात कही। भाबर ने बताया कि, थांदला अंचल से निकली होनहार बेटियां कई क्षेत्रों में आज देश का गौरव बढ़ा रही है।

नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुनील पणदा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, नारी शक्ति एक महान शक्ति है। छात्राओं को अपने अधिकारों के लिए आगे आना चाहिए। विद्यार्थी जीवन में छात्राओं को कई मुश्किलें आती है। इन मुश्किलों को दूर करने के लिए शासन ने छात्रावासों की सौगातें दी है। छात्राएं इन में सुरक्षित रहकर पूर्ण अध्ययन कर सकती है।

जानकारी देते हुए आश्रमों और छात्रावास अधीक्षकों ने बताया कि, छात्रावास दिवस पर विद्यार्थियों ने छात्रावास परिसर में रंगोली, पेंटिंग, चित्रकला जैसे कई नवाचार किए। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति पर आधारित गीतों पर प्रस्तुतियां दी गई। वही सामाजिक जागरूकता के चलते 'कन्या उत्कृष्ट छात्रावास' में नशा मुक्ति अभियान के तहत नाटक का मंचन किया गया। इस दौरान उपस्थित नागरिक भावुक हो उठे।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष और पार्षद समर्थ गोलू उपाध्याय, पार्षद धापू बाई वसुनिया, भूमिका सोनी, जगदीश प्रजापत, मंडल महामंत्री सुनील पणदा, मंडल उपाध्यक्ष राकेश सोनी, सुरेश राठौड़, मीडिया प्रभारी आशुतोष राठौर, छात्रावास अधीक्षक मदन भाबर, रमेश कटारा, शमीम बानो खान, दुर्गा सिंगौड़, प्रकाश भूरिया, बबली सिंगाड, समस्त आश्रमों और छात्रावासों की पालक समिति के पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

इसके अलावा नगर के कन्या आश्रम अंग्रेजी माध्यम, कन्या उत्कृष्ट छात्रावास, बालक उत्कृष्ट छात्रावास, महाविद्यालयीन छात्रावास, कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास, नवीन बालक छात्रावास आदि छात्रावासों में छात्रावास दिवस मनाया गया।

सेवानिवृत्त होने पर भव्य स्वागत कर दी विदाई

माही की गूंज, थांदला।

यह तस्वीर किसी नव युगल की नही और न ही किसी तीर्थ से यात्रा कर लोटनें वाले यात्री की हे। ढोल-धमाकों की गूंज जब विवेकानंद कालोनी में गूंजने लगी, आगे-आगे पुष्प मालाओं से लदा इस जोड़े के अवगत हेतु इंद्रपुरी, विवेकानंद कालोनी सहित नगर के सैकडो लोगो का हुजूम के साथ ही इंद्रपुरी, विवेकानंद कालोनी स्थित महादेव मंदिर का महिला मंडल स्वागत, अभिनंदन के साथ सम्मान हेतु आतुर था। यह दृश्य थांदला क्षेत्र में 4 दशक तक शतत पशु चिकित्सा विभाग में सेवा देने वाले सहज, सरल, हसमुख यथा नाम तथा काम चरितार्थ करने वाले एवीएफओ पद से सेवा निवृत हुए दीपक जानी के कार्यालयीन सेवा अभिनंदन, विदाई पश्चात गृह आगमन का। दीपक जानी जिन्हे नगरवासी डाक्टर के नाम से जाने जाते माता रानी के अनन्य भक्त होने के साथ मूक पशुओं की सेवा हो या पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था के लिए तड़के 5 बजे उठना उनकी दिन चर्या में शामिल है, तो स्वयं के लिए भी एलोपैथिक उपचार की बजाय आयुर्वेदिक औषधीय ही उपयोग लेते। अल सुबह सुबह की शेर के साथ मुंह में नीम का दातुन करना, स्नानादि से निवृत हो कर बाबा भोलेनाथ के दर्शन, पूजन के बाद ही नित्य अंचल पशुधन की सेवा के लिए निकलना व देर शाम घर लोट पोतो के साथ लाड दुलार के बाद रात्रि पूर्व भोजन कर बाबा भोलेनाथ के दर्शन बाद शयन करना। नियमित दिन चर्या तथा कर्तव्य प्रयाणता के धनी आदरणीय दीपक जानी के सेवानिवृति ने जहा एक और विभाग में रिक्तता पैदा की वही क्षेत्र के सैकडो पशु पालकों के पशु स्वास्थ्य की चिंता सताने लगी । बावजूद उसके पशु पालकों ने भी भावविभोर होकर जानी का आत्मीय अभिनंदन कर उनके सेवा कार्यों को सराहा। बिरले व्यक्तित्व के धनी दीपक जानी का विभाग सहित समाज, संगी साथी, परिजनों ने बधाई देते हुए अभिनंदन किया। अभिनंदन समारोह में प्रदेश स्तर के विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकार व नगर के सभी प्रेमी ने मिलकर उनका स्वागत अभिनंदन किया।

सतीश शर्मा को दी विदाई

माही की गूंज, सारंगी।

घुघरी हाई स्कूल घुघरी के सहायक शिक्षक सतीष चंद्र शर्मा 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर स्टाफ के द्वारा बिदाई दी गई। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य मनोहर बसेर एवम स्टाफ द्वारा शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। शिक्षक आचार्य द्वारा किसने कहा बिदाई हो रही कविता के माध्यम से शर्मा के बचपन से लेकर आज तक के कई वृतांत सुनाए। प्राचार्य बसेर ने अपने उदबोधन में शर्मा जी के लगन मेहनत से किया गया। अध्यापन की प्रसंशा कि तथा स्वस्थ और दीर्घायु होने की कामना की साथ ही शर्मा के साथ बिताए अपने 9 वर्ष के खट्टे मीठे अनुभव बताये। इस अवसर पर सरपंच पति श्री गोवर्धन मालीवाड, नंदराम भाभार, गीता निनामा, मंजू खान, अतिथि शिक्षक हरिराम पोरवाल आदि उपस्थित थे। अंत मे शर्मा जी को गाजे-बाजे के साथ बिदाई दी गई आभार निशिकांत शर्मा द्वारा किया गया।

पुलिस ने की कार्यशाला आयोजित

माही की गूंज, थांदला। संस्कार पब्लिक स्कूल पर मध्यप्रदेष स्थापन दिवस के अवसर पर पुलिस प्रशासन द्वारा एक कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें 'मुख्य अतिथि डीएसपी (अजाक) राकेश आर्य, विशेष अतिथि सुबेदार थाना थांदला कमलसिंह मिन्दल, आरक्षक संदीप बघेल (सायबर), आरक्षक संदीप महेश प्रजापत थे। अतिथियों ने सायबर क्राइम, नशामुक्ति एवं यातायात नियमों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारिया विद्यार्थियों को दी गई। साथ ही समस्त अतिथियों द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से विभिन्न वीडियो, अपराधों से बचाव एवं सावधानियाँ बताई गई। कार्यशाला में संस्था के प्राचार्य ललित कांकरिया एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शेख आसिफ ने किया। आभार शिक्षक संजय कोठारी द्वारा किया गया।

कन्या हाई स्कूल परिसर में स्थापना दिवस पर हुआ आयोजन

माही की गूंज, सारंगी।

पूरे प्रदेश में 1 नवंबर को 67 वा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। इसी के अंतर्गत शासकीय कन्या हाई स्कूल विकासखंड पेटलावद के अंतर्गत मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर संकुल प्राचार्य श्री दिलीप कुमार मेहता के सफल नेतृत्व में प्रार्थना सभा में मध्य प्रदेश राष्ट्रीय गान की स्कूली छात्राओं द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात संस्था में छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई, जो सराहनीय रही। कार्यक्रम में सहयोगी के रुप में सफल संचालन श्रीमती नागर मैडम एवं निर्मल संघवी ने किया श्रीमती दीक्षित मैडम ने मध्यप्रदेश के महापुरुषों पर प्रकाश डाला संस्था के श्री भारतीय , श्री शर्मा, श्री भाबर, एवं श्री वसुनिया का सराहनीय सहयोग रहा। अंत में श्रीमती नागर मैडम द्वारा हम होंगे कामयाब जीत की प्रस्तुति दी गई एवं छात्राओं को प्रसादी वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

शिवराज जी आखिर कैसे होगा भ्रष्टाचार शुन्य...?

मामला: डीएचओ द्वारा लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप के यहां जा-जाकर कार्रवाई के डर के साथ ले रहे गांधीछाप

माही की गूंज, खवासा।

शिवराज सिंह आप कहते रहो कि, भ्रष्टाचार व रिश्वत को शून्य करना है और गड़बड़ करने वाले किसी को भी नहीं छोड़ेंगे पर शिवराज जी आपके नुमाइंदे आपको पलीता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। आपके नुमाइंदे लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले को भी खुलेआम संरक्षण देकर रिश्वत ले रहे हैं, और यह सब आम जनता देख रही है। अब आम जनता पुछ रही है कि, आखिर शिवराज जी, भ्रष्टाचार व रिश्वतखोरी कैसे शून्य होगी...?

सरकार से बेखौफ होकर भ्रष्ट अधिकारी जमकर चांदी काट रहे हैं। जिसका एक छोटा सा उदाहरण खवासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र के भामल में जिला स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचआ) द्वारा रिश्वत लेने का मामला आम लोगों की जुबानी के साथ सामने आ रहा है। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवंबर को कई कार्यक्रम सरकारी संस्थाओं में आयोजन कर स्थापना उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लेकिन ऐसे शुभ अवसर पर भी भ्रष्ट अधिकारी अपनी जादुई छड़ी घुमाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं।

जिले में मंगलवार व शुक्रवार को आंगनवाड़ी व स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण कार्य आयोजित होता है और जिले में उक्त टीकाकरण कार्य का निरीक्षण डीएचओ सुरेंद्र सिंह गडरिया करते हैं।

1 नवंबर मंगलवार को निरीक्षण के दौरान डीएचओ सुरेंद्र सिंह गडरिया साहब अपना सरकारी वाहन क्रमांक एमपी 45 टी 3717 जिस पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी मध्यप्रदेश शासन लिखा वाहन में भामल में बेड़ावा मार्ग पर स्थित आंगनवाड़ी पर टीकाकरण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं से टीकाकरण की जानकारी ली। इसी दौरान बेड़ावा रोड पर ही लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप डॉक्टर गौतम राय के कांच नुमा बने केबिन वाले फर्जी क्लीनिक पर नजरे पड़ी।

बता दें कि, इलाज के नाम पर लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाला गौतम राय का पुत्र भी गांव में किसी की जान लेने से पीछे नहीं हट रहा है। जानकारीनुसार गांव में गौतम राय का शराबी पुत्र, गांव में सभ्य परिवारों के यहां अपनी बुरी नजर रख अपने जाल में फासने का काम कर उन्हें आत्महत्या तक करने के लिए मजबूर कर रहा है। जिनके फर्जी क्लीनिक पर डीएचओ श्री गडरिया साहब आंगनवाड़ी में टीकाकरण का निरीक्षण कर पहुंचे। जैसे ही गडरिया साहब, गौतम राय के क्लीनिक पर पहुंचे, वैसे ही फर्जी झोलाछाप फर्जी डॉक्टर गौतम राय के पसीने छूट गए और फर्जी डॉक्टर गौतम कुर्सी से उठकर गडरिया साहब को कुर्सी पर बिठाया। गडरिया साहब ने कुछ चोरीनुमा दवाई-गोली का जखीरा बरामद किया। वहीं फर्जी क्लीनिक में कितने पलंग है की जांच पड़ताल के साथ क्लीनिक चलाने की डिग्री मांगी। जिस पर गौतम राय, साहब के कदमों में नतमस्तक हो गया और सीधे अपने बचाव पक्ष के साथ साहब को मुंह मांगी रकम देने का आफर कर दिया। गडरिया साहब ने कुछ समय तो अपने अधिकारी होने का रोप झाड़ा और अपनी पृष्ठभूमि के साथ फर्जी झोलाछाप डॉक्टर के ऑफर को मान लिया और साहब के द्वारा कही गई राशि। साहब के कहने पर गाड़ी के पास खड़े वाहन चालक की जेब में जाकर रख देने को कहा। जिस पर लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाला गौतम राय घर के अंदर गया और अपनी तिजोरी से कड़क-कड़क गांधी छाप निकालकर लाया और बाहर आकर ड्राइवर की जेब में रख, गौतम क्लीनिक के अंदर गया। जिसके बाद गडरिया साहब अपनी रिश्वत की जेब ड्राइवर के माध्यम से भर बिना कार्रवाई के क्लीनिक से बाहर आकर अपने वाहन में बेठ रवाना हो गए। साहब का उक्त कृत्य कुछ सजक लोगों ने दूर रहकर देखा और गौतम राय के फर्जी क्लीनिक के आगे खड़ी गाड़ी का फोटो कैद कर साहब एवं गौतम की कार्यशैली देखी गई।

शिवराज जी आपके नुमाइंदे मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर भी अपनी भ्रष्टाचार रूपी जादूगरी छड़ी घुमाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यह नजारा कोई और नहीं वरन आम जनता खुद देख रही है। ऐसे में मध्यप्रदेश को भ्रष्टाचार व रिश्वत खोरी से शून्य कैसे करेंगे...? के सवाल का जवाब तो आप को ही जनता को देना होगा।

डीएचओ श्री गडरिया म.प्र. स्थापना दिवस पर पहुचे झोलाछाप डा. गोतम के फर्जी क्लिनीक पर, रिष्वत लेकर बिना कार्यवाही के लोटे घर।

कृष्णा रोड़ लाइंस के आयशर से पुलिस ने की 95 पेटी बियर जप्त

नशा मुक्ति अभियान को पलीता लगाते ठेकेदार पर आखिर क्यों मेहरबान पुलिस और आबकारी विभाग

माही की गूंज , पेटलावद।

पुलिस ने एक बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए सब्जी की आड़ में अवेध शराब ले जा रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सोमवार को एसडीओपी सोनू डावर और थाना प्रभारी राजूसिंह बघेल ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि, रविवार रात को पेटलावद पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली कि, एक आयशर वाहन में बडी मात्रा में अवैध शराब गुजरात की ओर जा रही है। पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर आयशर वाहन से करीब 2 लाख 28 हजार रुपए की अवेध शराब जप्त की। पुलिस के अनुसार आरोपी आयशर वाहन क्रमांक एमपी 09 जीएस 4287 में सब्जी की थैलियों की बीच मे टिन माउंट बियर की 95 पेटिया भरकर बदनावर की ओर से गुजरात ले जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर उपनिरीक्षक लक्ष्मणसिंह सिसोदिया ओर पुलिस टीम ने बदनावर मार्ग पर कालेज के सामने नाकाबंदी की ओर आयशर वाहन की तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में शराब जप्त की। पुलिस ने आरोपी रामलाल पिता कैलाश दाहिमा 20 वर्ष और रितेंद्र पिता भरत वसुनिया 22 वर्ष निवासी सेमलखेड़ा थाना बदनावर जिला धार को हिरासत में लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 34(2), 36, 46 आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना की जा रही है। उल्लेखनीय है कि अवेध शराब से भरा आयशर बदनावर की ओर से आसानी से पेटलावद तक पहुँच गया। इसमें पुलिस की निष्क्रियता खुलकर सामने आ रही है, क्योकि पुलिस ने यहां वाहन की कोई जांच पड़ताल नही की ओर अगर की है तो उन्हें अवेध शराब क्यो नही दिखाई देती है जबकि थांदला बदनावर स्टेट हाइवे से लगातार अवैध शराब पकडाती रही है लेकिन कमजोर सूचना तंत्र ओर मुखबरी की कमी के कारण बहुत कम अवैध शराब तक पुलिस पहुँच पाती है और बड़ी मात्रा में शराब माफिया पुलिस को चकमा देकर पेटलावद हो कर गुजरात की और पहुंचने में कामयाब हो जाते है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि, पुलिस अपना काम कितनी ईमानदारी से कर रही है।

नशा मुक्ति अभियान को पलीता लगा रहा ठेकेदार और आबकारी विभाग

मुखबरी पर पुलिस और आबकारी बहार से आने-जाने वाली अवैध शराब को पकड़ने में तो सफल हो जाती है लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान को पलीता लगा रही है। यहां स्थानीय स्तर पर मामूली बिक्री के बाद भी करोड़ो रूपये में शराब ठेके लेने वाले ठेकेदार खुल कर अपनी पूर्ति अवैध शराब का सप्लाई नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में खुले आम कर रहे है। कई बार पुलिस और आबकारी ग्रामीणों की सूचना या दुर्घटना के बाद बमुश्किल अवैध शराब जप्त कर केश बना चुकी है, लेकिन अवैध शराब किसकी थी और बेच नम्बर आदि की जांच को दबा कर ठेकेदार को बचा कर आगे और सावधानी से अवैध शराब सप्लाई करने में सहयोग करती है, शराब ठेको पर से दुपहिया और चार पहिया वाहनों से सप्लाई आसानी से देखी जा सकती है जबकी शराब ठेके पर से किसी भी प्रकार से थोक में शराब देने का कोई नियम या प्रावधान नही है। फिर इस प्रकार से शराब ठेकेदार द्वारा कहा बेची जा रही है। वर्तमान में नशा मुक्ति अभियान के तहत पुलिस लगतार अवैध शराब की धकड पकड कर रही है लेकिन शराब ठेकेदार पर अब तक पुलिस मेहरबान दिख रही है वही आबकारी विभाग की भूमिका नशा मुक्ति अभियान में न के बराबर रही है।

देव उठनी ग्यारस पर प्रारंभ होगा पारंपरिक मां अंबिका माता सांस्कृतिक मेला

माही की गूंज, बामनिया।

वर्षो की परंपरा को जीवंत रखते हुए ग्राम पंचायत बामनिया द्वारा माँ अंबिका माता सांस्कृतिक मेले का आयोजन किया जा रहा है। सात दिवसीय मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रामलीला, तेजाजी नाटक आदि का ग्रामीण कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी, कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश के प्रख्यात कवियों द्वारा कविता पाठ किया जायेगा। मनोरंजन के लिए झूले, चकरी, चिड़ियाघर, सर्कस आदि आमजन के मनोरंजन के लिए रहेंगे। दूर दराज से व्यापारी अपने व्यवसाय के लिए आते हैं तथा ग्राम पंचायत बामनिया द्वारा मप्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए हितग्राहियों को प्रोत्साहित कर उनका पंजीकरण किया जाएगा। पुलिस विभाग एव स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी मिठाई एव नाश्ते की दुकाने लगाई जाएगी। परम्परागत मेले का उद्देश्य लोगो के मनोरंजन के साथ ही शासन की योजनाओं से लोगो तक पहुँचाना है ग्राम पंचायत बामनिया की सरपंच रामकन्या मखोड एव उपसरपंच ब्रजभूषण सिह परिहार द्वारा ने जानकारी देते हुए बताया कि, मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कर खेलो को भी प्रोत्साहन देने का काम कर रहे हैं मेले के आयोजन के लिए पंचो को प्रभारी नियुक्त कर समितियों का गठन भी किया गया है। जो पूरे मेले के संचालन में सहयोग करेंगे ग्राम पंचायत बामनिया द्वारा अपील की गई है कि, ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर मेले का लुत्फ उठाए। कार्यक्रम के उद्घाटन में पूर्व विधायक निर्मला भूरिया, अनुविभागीय अधिकारी अनिल कुमार राठौर, एसडीओपी पुलिस सोनू डावर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर के दीक्षित मोजूद रहेगे।

परिषद द्वारा शपथ ग्रहण सम्पन्न

माही की गूंज, थांदला।

अध्यक्ष पद की शपथ वार्ड 14 से बीजेपी से जीतकर आई लक्ष्मी सुनील पणदा उपाध्यक्ष पद के लिए वार्ड क्रमांक 2 से बीजेपी से जीत कर आए पंकज जागीरदार राठौड़ द्वारा शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण के पूर्व पंडितों द्वारा पुजा अर्चना कर हवनात्मक पुजन कर सभी पदाधिकारी व पार्षदों ने शपथ ग्रहण की।

13 पार्षद ने भी की शपथ ग्रहण

वार्ड क्रमांक 1 से धापू गौर सिंह वसुनिया, वार्ड क्रमांक 3 से लीला डामोर, वार्ड क्रमांक 4 से जितेंद्र कन्नू मोरिया, वार्ड क्रमांक 5 से संदीप समर्थ उपाध्याय, वार्ड क्रमांक 6 से माया सचिन सोलंकी, वार्ड क्रमांक 7 से ज्योति जितेंद्र राठौड़, वार्ड क्रमांक 8 से अखिल जैन, वार्ड क्रमांक 9 से राजू धानक, वार्ड क्रमांक 10 से संदीप डामोर, वार्ड क्रमांक 11 से भूमिका आशीष सोनी, वार्ड क्रमांक 12 से जगदीश प्रजापत, वार्ड क्रमांक 13 से नसीम बी फरजमान खान वार्ड, 15 से वंदना सुधीर भाबर, शपथ समारोह में पहुंचे जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर, चुनाव प्रभारी रहे अनिल भंसाली, कमलेश दायजी, जसवंत डामोर, राकेश सोनी, नगर परिषद स्टाफ नगर की जनता आदि उपस्थित रहे इस बार नगर की जनता ने सोच समझ कर नगर की भागदौड़ इन 15 ही लोगो के हाथो में सोपी हें। अब देखना यह है कि, नगर की जनता के विश्वास पर यह परिषद कितना खरी उतर पाती है या नहीं नगर की जनता का मानना है। यह परिषद पूर्व में जिस तरह अध्यक्ष सुनीता पूनम चंद्र मिस्त्री की परिषद में नगर का विकास हुआ था उसी प्रकार से इस परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पार्षद गण मिलकर उसी तरह नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाएंगे। इस नगर परिषद से लोगो को विकास की उम्मीद साफ तोर पर दिखाई दे रही है और साथ ही नगर की जनता का इस परिषद पर पूरा विश्वास दिख रहा है।

नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि आये साध्वीश्री जी के दर्शनार्थ

माही की गूंज , पेटलावद। नगर तेरापंथ सभाभवन में विराजित श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अनुशास्ता युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या शासनश्री साध्वीश्री मधुबालाजी के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने दर्शन किये व उनसे आशीर्वचन प्राप्त किया। साध्वीश्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि, नगर में चुने हुए जनप्रतिनिधियों को जनता की सेवा करने का मौका मिला है, उन्हें निष्ठा ईमानदारी पूर्वक अपने दायित्व का निर्वाह करना चाहिए और पवित्र सेवा करना चाहिए। भाजपा नेता संजय मालवी, प्रदीप पटवा व युवा साथी रचित गादिया, सिद्धू कोठारी के साथ नवनिर्वाचित नगर परिषद अध्यक्ष ललिता योगेश गामड़, पार्षद मुकेश परमार, कन्ना बाई मैडा, चांदनी ,दीपक निमजा, गौतम गेहलोत, ममता धानक, अनुपम भंडारी, हंसा शिवा राठौड़, चंदा राजू मैडा साथ ही भाजपा कार्यकर्ता सोनू विश्वकर्मा, लाला चौधरी, योगेश गामड़, प्रदीप काग, राजू काग आदि कार्यकर्ता साध्वी वृन्द के दर्शनार्थ पहुँचे। साथ ही तेरापंथी सभा के मंत्री राजेश वोरा ने सभी जनप्रतिनिधियों का तेरापंथ सभा परिवार की और से स्वागत किया। उक्त जानकारी तेरापंथ मीडिया प्रभारी पियुष पटवा द्वारा दी गयी।

लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र वितरत

माही की गूंज, करवड़। लाड़ली लक्ष्मी योजना की बालिकाओं को सरपंच विकास गामड़, सचिव आशीष बैरागी, रोजगार सहायक संगीता सिनम, मोबाइल लाइजर आशा सोलंकी, सूरज गामड़ के द्वारा तिलक लगाकर फूल माला पहनाकर प्रणाम पत्र दिया गया। जिसमें सेक्टर सुपरवाइजर शीला हरवाल आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अंबेडकर मोहल्ला पूजा शर्मा, नई आबादी गायत्री सिंनम, कुम्हार मोहल्ला आशा मोरवाल, पंचायत मोहल्ला संतोष भूरिया, पाटीदार मोहल्ला चंदा पाटीदार, हनुमान मोहल्ला शीला गामड़ आसपास सेक्टर के सभी आशा कार्यकर्ता उपस्थित रही एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे, ग्रामीण जन में राकेश सिंनम, प्रकाश डामोर, शिवा सावन गामड़ उपस्थित हुए।

लौह पुरूष की जन्म जयंति पर हुआ आयोजन, पाटीदार समाज के होनहारों का हुआ सम्मान

माही की गूंज , पेटलावद।

झाबुआ जिला पाटीदार समाज के द्वारा लौह पुरूष सरदार पटेल की 149 वीं जयन्ति बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। मुख्य समारोह पेटलावद के निजी गार्डन में आयोजित किया गया। जिसमे समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया गया। आयोजन के पूर्व भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई उदय गार्डन पहुंची। नगर में विभिन्न संगठनों ने शोभायात्रा में सरदार पटेल के फोटो पर पुष्प अर्पित किये एवं शोभायात्रा का स्वागत किया। उसके बाद भव्य समारोह का माँ अम्बे एवं सरदार पटेल के चित्र पर माला अर्पण कर दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। आयोजन के अध्यक्ष भागवताचार्य आचार्य डॉ देवेन्द्र शास्त्री ने पटेल को याद करते हुए कहा कि, सरदार पटेल ने धर्म और संस्कृति की रक्षा करते हुऐं। बारह ज्योतिर्लिंग में से एक प्रथम सोमनाथ ज्योतिर्लिंग मन्दिर का पुनर्निर्माण करवाया और देश को एक सूत्र में पिरोया और अखण्डता का संदेश दिया। धर्म और संस्कृति के बारे में समझाया गया तथा समाज को कुरूतियों से मुक्त होने का संदेश दिया। विशेष अतिथि डॉ. राजेश पाटीदार मुख्य कार्यपालन अधिकारी भादवा माता मन्दिर ट्रस्ट निमच ने समाज को संगठित होने की जरूरत बताते हुए विभिन्न प्रकार के अनावश्यक खर्चो से बचना जैसे मृत्यु भोज, घूंघट प्रथा एवं कपड़ा प्रथा आदि को कम करके शिक्षा पर जोर दिया। विशेष अतिथि सुनिल पाटीदार (अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक) रतलाम ने शिक्षा पर बल दिया ओर कहा की शिक्षा समाज की रीड की हड्डी है। शिक्षा से समाज का उत्थान होगा एवं देश प्रदेश प्रगति करेगा एवं समाज को एक नई दिशा मिलेगी।

आयोजन में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के प्रदेश सगठन मंत्री मोहनलाल पाटीदार, आयोग की महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आशा पाटीदार रतलाम, राकेश पाटीदार रतलाम, सरदार पटेल युवा जिला अध्यक्ष राजेश पाटीदार ने भी सम्बोधित किया। पुरुषोत्तम पाटीदार जिला अध्यक्ष पाटीदार समाज ने स्वागत भाषण दिया।

इनका सहयोग रहा

सभा में धापु बेन पाटीदार, सुभद्रा बेन पाटीदार, अशोक पाटीदार, सालीग्राम पाटीदार, प्रकाश पाटीदार परवलिया, जीवन पाटीदार, हरिओम, विक्रम आयशर, बलराम पाटीदार, नन्दकिशोर पाटीदार, बसंतीलाल पाटिदार, नीलेश पटेल जिला अध्यक्ष सरदार सेना, बलराम बरवेट, अनिल, रामप्रसाद पाटीदार, गेंदालाल पाटीदार, नाथुलाल पाटीदार, जीतेन्द्र पाटीदार, राजेश पाटीदार, लुणचंद पाटीदार, नानालाल जी पटवारी, राधेश्याम पाटीदार आदि उपस्थित थे।

प्रतिभाशाली बच्चो का सम्मान

समारोह में समाज के प्रतिभाशाली बच्चों डॉ गोकुल पाटीदार, डॉ सुषमा पाटीदार, डॉ दीपिका पाटीदार, डॉ आयुषी पाटीदार सभी मेडिकल तथा श्वेता पाटीदार, शुभम पाटीदार ,कार्तिक पाटीदार, सुरेश पाटीदार सभी आई आई टी इंजीनियर का सम्मान किया गया। उन्नत किसान बालाराम पाटीदार सांरगी, पूर्व सैनिक कैलाश पाटीदार अमरगढ़ सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पूरे जिले के पाटीदार बन्धु उपस्थिति रहे। आभार प्रदर्शन आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ नाथुलाल पाटीदार ने किया। कार्यक्रम का संचालन हरिराम पाटीदार ने किया।

संपादकीय

मोरबी में मातम

एक सदी पहले मोरबी के राजाओं की आधुनिक व प्रगतिशील सोच का पर्याय माना जाने वाला सस्पेंशन ब्रिज तंत्र की काहिली से मौत का तांडव रच गया। सवा सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मौत अपने पीछे कई सवाल छोड़ गई है।

नि:संदेह, इस झूला पुल की मरम्मत व रखरखाव का ठेका लेने वाले मोरबी के औद्योगिक घराने ओरेवा ग्रुप की जवाबदेही तो तय होनी ही चाहिए, लेकिन उन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने बिना फिटनेस सर्टिफिकेट दिए लोगों के लिए पुल को खोल दिया। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि, पुल को निर्धारित समय से पहले सार्वजनिक उपयोग के लिए खोला गया। कहा जा रहा है कि, ऐसा दिवाली की छुट्टियों व गुजराती नववर्ष के चलते किया गया। कहा जा रहा है कि, एक चर्चित घड़ी निर्माण करने वाली जिस कंपनी के साथ मोरबी नगरपालिका ने अनुबंध किया था, उस अनुबंध में व्यावसायिक उपयोग की तो विस्तृत चर्चा रही, लेकिन सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर पहल होती नजर नहीं आई। जबकि झूला पुल के रखरखाव के साथ ही सुरक्षा, सफाई आदि की जिम्मेदारी भी कंपनी की ही बनती थी। पुल को मार्च में नवीनीकरण हेतु आठ से बारह महीने के लिए बंद कर दिया गया था। अब कहा जा रहा है कि, मरम्मत के बाद पुल को निर्धारित अवधि से पहले लोगों के उपयोग के लिए खोल दिया गया। पहली नजर में हादसे में लापरवाही नजर आती है। दुनिया में जहां इस तरह के झूला पुलों का निर्माण किया गया है, वहां एक सीमित संख्या में लोगों को पुल से गुजरने की अनुमति होती है। हादसे के वक्त चार सौ के करीब लोगों की मौजूदगी की बात कही जा रही है। अब यह जांच का विषय है कि, पुल की मरम्मत में गुणवत्ता में कमी थी या मरम्मत के बाद पुल ज्यादा लोगों के बोझ को सहन नहीं कर पाया। भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो, उसके लिए दुर्घटना के कारणों की तह तक जाने की सख्त जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि, एक सदी पहले मोरबी में बने पुल को इंजीनियरिंग का चमत्कार बताया जाता था। दरअसल, आधुनिक यूरोपीय तकनीक के इस्तेमाल से बना पुल लोहे की जंजीरों से बने केबल तारों पर आधारित था और हवा के प्रवाह के साथ झूलता नजर आता था। तभी ऐसे पुलों को झूला पुल भी कहा जाता है। बहरहाल, जैसा कि हर हादसे के बाद होता है, बचाव कार्य में तेजी और मुआवजे की घोषणा की बात कही जा रही है। इस बाबत पांच सदस्यीय जांच समिति भी बना दी गई है। जरूरत इस बात की है कि हादसे का सच सामने आए। साथ ही दोषियों को सख्त सजा मिले ताकि यह दंड एक नजीर बने और फिर कोई आपराधिक लापरवाही करने की हिमाकत न कर सके। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करके नौ लोगों को गिरफ्तार करने की बात कही है। जिसमें ओरेवा ग्रुप के मालिक, कर्मचारी व सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि, मरम्मत का ठेका लेने वाली कंपनी के साथ मोरबी नगरपालिका के साथ हुए अनुबंध में झूला पुल पर एक समय में बीस से पच्चीस लोगों के ही जाने की बात तय हुई थी। तो फिर पुल पर सैकड़ों की संख्या में लोगों की उपस्थिति की अनुमति क्यों दी गई...? सवाल यह भी है कि, पुल को खोलने से पहले क्या उसकी भार वहन क्षमता की जांच की गई थी...? तो क्या मुनाफे का लालच दुर्घटना का कारक रहा है...? इन सभी सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आएंगे, लेकिन माच्छू नदी पर हुए इस पुल हादसे की पुनरावृत्ति रोकने के लिये देश भर में सजगता-सतर्कता की जरूरत है। सिर्फ नौ लोगों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने से हादसे की भरपाई नहीं होगी। अभी कई सवालों के जवाब बाकी हैं। सवाल मोरबी नगरपालिका के अधिकारियों पर भी उठाये जा रहे हैं कि फिटनेस प्रमाणपत्र दिए बिना पुल को सार्वजनिक उपयोग के लिए खोलने की अनुमति कैसे दी गई।

लोकतांत्रिक मूल्यों की नज़ीर बना ब्रिटेन

विश्वनाथ सचदेव

ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को लेकर हमारे भारत में बहुत कुछ कहा-सुना जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि दूर का सही, भारत से सुनक का रिश्ता तो है। उनके दादा अविभाजित भारत के गुजरांवाला के थे। इस नाते भारत और पाकिस्तान दोनों स्वयं को इसका हकदार मानकर ऋषि सुनक से अपना रिश्ता जोड़ रहे हैं। इस बात पर संतोष व्यक्त किया जा रहा है कि 'एशियाई मूल' का कोई व्यक्ति ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बना है। ज्ञातव्य है कि, ब्रिटेन में कुल आबादी का मात्र 2.3 प्रतिशत ही भारतीय मूल के लोग हैं। यदि एशियाई मूल के लोगों की बात करें तो कुल 6.8 प्रतिशत ब्रितानी नागरिक ही बनते हैं। इस दृष्टि से यह कह कर ब्रिटेन की जनतांत्रिक परंपरा की प्रशंसा हो रही है कि वहां अल्पसंख्यक भी इतने ऊंचे पद पर पहुंच सकता है।

इसी बात को कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि, हमें ब्रिटेन से सीखना चाहिए। निश्चित रूप से यह सीखने की बात तो है। हमारे भारत में लगभग 20 प्रतिशत नागरिक अल्पसंख्यक की श्रेणी में आते हैं। मुसलमानों के अलावा बौद्ध, सिख और जैन आदि शामिल हैं। इनमें मुसलमानों की संख्या लगभग 15 प्रतिशत है, इसलिए सामान्यतः जब अल्पसंख्यकों की बात होती है तो उसका संदर्भ मुसलमान से ही होता है। ऐसा नहीं है कि भारत में मुसलमानों को ऊंचे पद नहीं मिले हैं। तीन बार देश के राष्ट्रपति बनने का अवसर मुसलमानों को मिला है। राजस्थान और बिहार समेत कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री मुसलमान बन चुके हैं। जहां तक प्रधानमंत्री का सवाल है, यदि कोई योग्य व्यक्ति निर्वाचित होता है और संसद में उसे बहुमत का समर्थन मिलता है, तो कोई मुसलमान अवश्य इस पद पर पहुंच सकता है। वैसे अल्पसंख्यक सिख प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति दोनों पदों पर पहुंचे हैं।

यहीं इस बात को भी स्वीकार करना होगा कि, यह बात अभी सिद्धांततः ही लागू होती है। हम इस सच्चाई से भी मुंह नहीं चुरा सकते कि हमारी वर्तमान संसद में सत्तारूढ़ दल (भाजपा) का एक भी सांसद मुसलमान नहीं है। भाजपा का कहना है कि वह जीत की संभावनाओं को देखकर किसी को अपना उम्मीदवार बनाती है। पर, सवाल उठता है धर्मनिरपेक्ष देश में किसी राजनीतिक दल को कोई मुसलमान अल्पसंख्यक जीतने लायक क्यों नहीं दिखता? क्या हमारे मतदाता भी धर्म के आधार पर ही वोट देते हैं? यदि ऐसा होता तो विधायकों-सांसदों में कोई अल्पसंख्यक कैसे होता?

बहरहाल, ब्रिटेन के ऋषि सुनक का प्रधानमंत्री बनना जनतांत्रिक मूल्यों के प्रति वहां के नागरिकों की निष्ठा को ही दर्शाता है, और यह बात दुनिया को ब्रिटेन से सीखनी चाहिए और हमें भी। पर इससे अधिक न सही, इतनी ही महत्वपूर्ण एक और बात भी है जिसकी ओर ध्यान जाना चाहिए। यह बात 44 दिन में ही सत्ता छोड़ देने वाली लिज़ ट्रस से जुड़ी है। ट्रस ने अपनी ही पार्टी के सदस्यों का विश्वास खो दिया था, इसलिए उन्हें पद तो छोड़ना ही था। पर पद छोड़ते समय जो बात 47 वर्षीय ट्रस ने कही वह गौर करने लायक है। पद से इस्तीफा देने की घोषणा करते हुए अपने छोटे से बयान में उन्होंने कहा, मैं अपने देश की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पायी हूं, जो वादे मैंने किये थे, उन्हें मैं पूरा नहीं कर पायी। इसलिए, मैं अपने पद से इस्तीफा दे रही हूं!

वादे पूरे न कर पाने की यह बात जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाती है। अक्सर सत्तारूढ़ पक्ष पर ये आरोप विरोधी पक्ष ही लगाते हैं। मतदाता भी वादाखिलाफी को मतदान का आधार बना सकते हैं। लेकिन, सत्ता छोड़ते समय यदि कोई प्रधानमंत्री ऐसी बात कहता है तो इसके महत्व को समझे जाने की आवश्यकता है। हर राजनीतिक दल, हर राजनेता वादों का सहारा लेता है और दावे भी करता है वादों को पूरा करने के। पर कितने नेता ऐसे होते हैं जो ईमानदारी से अपनी नाकामयाबी को स्वीकार करते हैं? जनतांत्रिक व्यवस्था में यह सवाल हर जागरूक मतदाता को अपने नेताओं से पूछना चाहिए। पूछना तो अपने आप से नेताओं को भी चाहिए कि वोट मांगते समय वे जो वादों की बरसात करते हैं वह किस बंजर जमीन पर पड़ती है कि मतदाता तरसता रह जाता है? 'कसमें, वादे, प्यार, वफ़ा सब बातें हैं, बातों का क्या' वाला चर्चित गीत याद आ रहा है मुझे!

चुनावों के समय बड़े-बड़े घोषणापत्र जारी किये जाते हैं। वादे और दावे किए जाते हैं। ऐसे वादों-दावों का क्या हश्र होता है इसका एक उदाहरण हमने हाल ही में तमिलनाडु में देखा था। भाजपा ने वादा किया था वहां 'एम्स' बनाने का। देश के गृहमंत्री ने वहां जाकर घोषणा कर दी कि उस 'एम्स' का नब्बे प्रतिशत काम पूरा हो गया है। दूसरे ही दिन मीडिया वालों ने अपने दर्शकों को वह मैदान दिखा दिया जहां 'एम्स' बनना था। वहां अभी चारदीवारी भी नहीं बनी थी। हो सकता है संबंधित अधिकारियों ने देश के गृहमंत्री को गुमराह किया हो, पर क्या गृह मंत्री का यह नैतिक दायित्व नहीं बनता कि वह इस चूक के लिए जनता से क्षमा मांगते? यह कहते हैं कि उन्हें ग़लत जानकारी दी गयी? ऐसा कुछ नहीं कहा उन्होंने। सच तो यह है कि हमारी राजनीति में इस नैतिकता के लिए कोई स्थान ही नहीं है।

ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री ने वादे पूरे न कर पाने की बात स्वीकार कर वस्तुतः इसी नैतिकता का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। हो सकता है उन्होंने ऐसा करके सिर्फ औपचारिकता निभायी हो, उनके भीतर इस बात की कोई ग्लानि न हो, पर उससे इस बात का महत्व कम नहीं हो जाता कि एक राजनेता ने अपने अपराध को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया। हां, यह वादाखिलाफी एक अपराध ही है, पर हमारे राजनेताओं से तो कोई अपराध होता ही नहीं!

ब्रिटेन में जो कुछ हुआ, यानी एक अल्पसंख्यक का प्रधानमंत्री बनना और एक प्रधानमंत्री का यह स्वीकार करना कि वह वादे पूरे नहीं कर पायी इसलिए पद त्याग रही हैं, जनतांत्रिक परंपरा की एक अच्छी नज़ीर बन सकता है। ऐसे उदाहरण जनतंत्र की मज़बूती भी दिखाते हैं और जनतंत्र को मज़बूत भी बनाते हैं। वैसे, जनतंत्र की मज़बूती का एक आधार जनता का अपने नेतृत्व में विश्वास ही होता है। ऋषि सुनक को यह प्रमाणित करना है कि उन्हें जनता का विश्वास प्राप्त है, और हमारे नेताओं को यह दिखाना है कि वे जनतंत्र के औचित्य की इस कसौटी को समझते हैं। पर इतनी ही महत्वपूर्ण बात यह भी है कि राजनेता जनता के प्रति अपने कर्तव्य को हमेशा याद रखें। सही नेतृत्व की कसौटी यही है।

सहमति के मुद्दों का शीघ्र समाधान हो

लेखक :- इन्द्रजीत सिंह

सरकार के साथ हुए द्विपक्षीय वार्तालाप के उपरांत हरियाणाभर के नगर निगम, नगर परिषद व नगरपालिकाओं के लगभग चालीस हजार कर्मचारियों की 11 दिन से जारी हड़ताल का पटाक्षेप एक राहत देने वाला समाचार है। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री व हरियाणा सरकार के उच्च अधिकारियों द्वारा कई महत्वपूर्ण मांगें स्वीकार किये जाने के उपरांत हड़ताल खुल गई। हड़ताल में बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी थे। इनमें काफी संख्या महिलाओं की है। नतीजतन शहरों व कस्बों में सफाई की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई थी। अभी भी इकट्ठे हुए कचरे-कूड़े को हटाने में समय लगेगा। जो लोग हड़ताल के दौरान सफाई करने में उत्साह दिखा रहे थे, वे अब भी अगर सफाई के काम में सहयोग दें तो अच्छा होगा। यह पहला अवसर नहीं है जब इन कर्मचारियों को तमाम अन्य तरीकों से अपनी समस्याओं को अधिकारियों व सरकार के संज्ञान में लाने के बाद आंदोलन का रास्ता अपनाने पर बाध्य होना पड़ा।

सफाई कर्मचारियों के अतिरिक्त हड़ताल में स्थानीय निकायों में क्लर्क, सीवरमैन, चपड़ासी, हैल्पर, फीटर, बिजली मैकेनिक, बिल वितरक, ट्यूबवेल आपरेटर, वाहन चालक, माली, फायर ब्रिगेड कर्मी, निरीक्षक, उपनिरीक्षक आदि श्रेणियों के कर्मचारी रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जिन सेवाओं में ये कार्यरत हैं वे तमाम सेवाएं स्थाई प्रकृति की हैं लेकिन विगत में सभी सरकारी विभागों में स्थाई भर्तियां करने की नीति को त्यागकर ये कार्य ठेका, कैजुअल, डेली वेज, वर्कचार्ज, आउटसोर्सिंग आदि के माध्यम से करवाने की नीति लागू है। यह नहीं भूलना चाहिए कि जनकल्याणकारी राज्य की अवधारणा के तहत तमाम सरकारी सेवाएं जनता के लिए गरिमापूर्ण रूप से सुगम जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से अस्तित्व में आई थीं। इन बुनियादी सेवाओं को लाभ-हानि के पैमाने से नहीं आंका जा सकता। यह भी नहीं है कि सरकार इन तमाम सेवाओं को मुफ्त में मुहैया करवा रही हो। नागरिकों से बाकायदा भिन्न-भिन्न तरह के टैक्सों की वसूली की जाती है। फिर भी यह संयोगवश नहीं है कि इन सेवाओं को आज रेवड़ियां बांटना बताया जा रहा है। जाहिर है सोची-समझी रणनीति के तहत सरकार नवउदारीकरण के इस दौर में समाज कल्याण की भूमिका से पल्ला झाड़ रही है।

बहरहाल, यदि सफाई कर्मचारियों को या बंद सीवर खोलने वालों को ले लें तो उनकी स्थिति को समझा जाना कोई मुश्किल नहीं है। सामाजिक रूप से ये जिन तबकों से आते हैं वह वर्ण व्यवस्था में अंतिम श्रेणी में बनाए रखे गए। ये महिलाएं और पुरुष सफाई करने के जिस कार्य को पुश्तैनी रूप से करने को बाध्य हैं, उसमें कोई अन्य तबका आरक्षण मांग रहा है क्या? एक युवक जो कच्ची नौकरी कर रहा है उसे बिना उपकरणों के सीवरों में उतारा जाता है। वे सीवर नहीं मौत के कुएं हैं। वर्ष 1993 में मैला ढोने पर वैधानिक प्रतिबंध लगा था। तब से अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार 971 व्यक्ति सीवरों में दम तोड़ चुके हैं। 21वीं सदी में यह सभ्य समाज के माथे पर कलंक नहीं तो और क्या है?

सीवरमैन की नौकरी भी कच्ची है। ज्यादातर सीवरमैन ठेके पर हैं। नए ठेकेदार इन्हें हटाकर नए लोगों को लगा लेते हैं। आज ये लोग यदि स्थाई होने की मांग कर रहे हैं तो कोई चांद-सितारे नहीं मांग रहे। यदि फायर ब्रिगेड का कर्मचारी ड्यूटी के दौरान घायल होने पर सरकारी खर्चे पर उपचार की मांग कर रहा है तो कौन-सा गुनाह कर रहा है?

पहले भी सरकार के साथ 25 अप्रैल व 17 अगस्त, 2020 तथा 10 मई और 28 जून, 2022 को समझौते हुए थे, जिन्हें लागू नहीं किया गया। तीन-तीन महीने से अनेक कर्मियों को वेतन नहीं मिला। इन सवालों को लेकर भी यदि हड़ताल करनी पड़ती है तो एस्मा का कानून कर्मचारियों की बजाय उन पर आयद होना चाहिए जो हड़ताल की परिस्थितियों को पैदा करने के लिए जिम्मेदार हैं। हरियाणा के स्थानीय निकायों में आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है। सच्चाई यह है कि उच्चपदों पर बैठे लोग बेरोकटोक कदाचार में लिप्त हैं। हाल में रोहतक, भिवानी, करनाल, फरीदाबाद, पानीपत आदि नगर निगम व परिषदों में भ्रष्टाचार के मामले उजागर हुए हैं, जिनमें कई लोग पकड़े भी गए हैं। परंतु अभी भी मुद्दे की जड़ तक पहुंचने की राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई नहीं दे रही।

किसी भी शहर, कस्बे व बस्ती में न्यूनतम सफाई की स्थाई व्यवस्था नागरिकों का अधिकार बनता है। इसके लिए यह अनिवार्य है कि सफाई कर्मियों की नौकरी स्थाई हो। उनके भत्ते, उपकरण, भविष्यनिधि, पेंशन, आवास व अन्य सेवा शर्तें संतोषजनक हों।

बहरहाल, जो स्थानीय निकायों की निर्वाचित बॉडी हैं उनको सक्रिय रूप में सामने आकर वास्तविक स्वायत्तता के लिये संघर्ष करना चाहिए। असल में होना यह चाहिए कि ठेकेदारी प्रथा को खत्म करके स्थाई काम के लिए स्थाई नौकरी और समान काम के लिए समान वेतन की व्यवस्था हो। हरियाणा सरकार ने पालिका कर्मचारियों के प्रतिनिधियो से वार्ता में जिन मुद्दों पर सहमति प्रदान की है, उन्हें वह न केवल निष्ठापूर्वक लागू करे बल्कि स्थाई समाधान की ओर बढ़ा जाए।

आलाकमान थामेगा भाजपा की कमान

रमेश सर्राफ धमोरा

भाजपा आलाकमान के बार-बार चेताने के बावजूद राजस्थान के भाजपा नेता एक दूसरे की टांग खिंचाई करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा राजस्थान में भाजपा संगठन को लेकर बहुत गंभीर नजर आ रहे हैं। उनको पता है कि मौजूदा परिस्थितियों में कांग्रेस को हरा पाना मुश्किल है। इसीलिए नड्डा स्वयं भी राजस्थान के दौरे कर रहें है और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी लगातार राजस्थान भेज रहे हैं। ताकि राजस्थान में नेताओं के आपसी मतभेद समाप्त हो सके। मगर नड्डा के प्रयास कामयाब नहीं हो पा रहे हैं।

राजस्थान के संगठन में सबसे अधिक बिखराव पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के कारण हो रहा है। वसुंधरा राजे पूरा प्रयास कर रही है कि उन्हें एक बार फिर नेता प्रोजेक्ट कर प्रदेश की कमान सौंप दी जाएं। मगर भाजपा आलाकमान ऐसा करना नहीं चाहता है। भाजपा आलाकमान का मानना है कि प्रदेश में अब वसुंधरा राजे पहले की तरह लोकप्रिय नहीं है। इसीलिए पार्टी नए नेतृत्व को तैयार कर रही है। जो आने वाले समय में पार्टी की कमान संभाल सके।

हालांकि वसुंधरा राजे अपने पक्ष में तर्क देती है कि उनके नेतृत्व में पार्टी ने प्रदेश में दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। मगर उनके विरोधियों का कहना है कि मुख्यमंत्री रहते वसुंधरा को दोनों ही बार चुनाव में मात भी खानी पड़ी थी। यदि वह लोकप्रिय नेता होती तो उनके मुख्यमंत्री रहते पार्टी चुनाव क्यों हारती। पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे ही राजस्थान में पार्टी की एक छत्र नेता थी। मगर फिर भी पार्टी चुनाव हार गई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में तो राजस्थान में भाजपा 163 सीटों से घटकर मात्र 73 सीटों पर आ गई थी। भाजपा को सीधे-सीधे 90 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा था। वसुंधरा सरकार की नाकामियों को भुनाकर कांग्रेस ने घर बैठे सत्ता हथिया ली थी। अपने मुख्यमंत्री के पिछले कार्यकाल में वसुंधरा राजे पर उनकी पार्टी के ही नेता चाटूकारों से घिरे रहने का आरोप लगाते हैं। वसुंधरा राजे की कार्यशैली से राष्ट्रीय स्वयं संघ के पदाधिकारी भी नाराज रहते थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कई बार वसुंधरा सरकार को अपनी कार्यप्रणाली सुधारने की चेतावनी भी दी थी। मगर वसुंधरा राजे ने किसी की एक नहीं सुनी थी। जिसके परिणाम स्वरुप ही राजस्थान में भाजपा को सत्ता गवांनी पड़ी थी।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व मंत्री यूनुस खान, कालीचरण सर्राफ, राजपाल सिंह शेखावत, प्रताप सिंह सिंघवी, भवानी सिंह राजावत, उनके विशेषाधिकारी धीरेन्द्र कमठान जैसे लोग सत्ता के केंद्र बन गए थे। जिनकी सलाह पर ही वसुंधरा राजे फैसले लिया करती थी। वसुंधरा राजे आज भी अपनी उसी पुरानी चैकड़ी से घिरी नजर आती है। भाजपा से निष्कासित पूर्व मंत्री रोहिताश्व शर्मा वसुंधरा के हर कार्यक्रम में शामिल होते हैं। जिसका पार्टी संगठन की तरफ से कड़ा विरोध दर्ज कराया जाता है। मगर फिर भी वसुंधरा राजे अपनी चैकड़ी को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है।

वसुंधरा विरोधी खेमे के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, सांसद किरोडी लाल मीणा, ओम माथुर, राजेंद्र राठौड़, दिया कुमारी जैसे नेता चाहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर ही अगला विधानसभा चुनाव लड़ा जाए। मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने पर पार्टी में किसी एक नेता की छाप नहीं होगी। इससे प्रदेश के सभी नेता एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। जिसके नतीजे भी सकारात्मक होने की आशा की जा सकती है।

राजस्थान के भाजपा नेताओं में बढ़ती कलह को मिटाने के लिये भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को दिल्ली में कोर कमेटी की बैठक बुलानी पड़ी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी इस बैठक में राजस्थान के नेताओं की जमकर क्लास ली। सूत्रों के मुताबिक नड्डा और शाह ने पार्टी नेताओं को दो टूक शब्दो में कहा कि आपसी लड़ाई और टांग खिंचाई छोड़ कर गहलोत सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई लड़ो। 2023 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल का समय बचा है। हमें लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि बड़े नेताओं द्वारा प्रदेश में अलग-अलग दौरे और यात्राएं की जा रही हैं। हमारे पास सभी की रिपोर्ट है। इसलिए फिर से समझाया जा रहा है कि पार्टी अनुशासन में रहकर एकजुटता से गहलोत सरकार के खिलाफ आंदोलन करें। प्रदेश में भाजपा के आंदोलनों और कार्यक्रमों में सभी नेताओं की उपस्थिति अनिवार्य हो। अगर उपस्थित नहीं हो सकते तो पहले ही उचित कारण के साथ पार्टी को सूचना दी जाए। आगे से राजस्थान बीजेपी के सभी सीनियर नेता प्रदेश की गहलोत सरकार के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लें।

खबर है कि, राजस्थान कोर कमेटी की बैठक में भाजपा नेतृत्व ने राजस्थान के नेताओं को साफ संदेश दिया है कि व्यक्तिगत एजेंडे को नहीं, पार्टी के एजेंडे को लेकर सभी मिलकर आगे बढ़ें। राजस्थान में कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम करना है तो पार्टी शीर्ष नेतृत्व को पहले सूचना देकर और मंजूरी लेवें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही राजस्थान में भाजपा आगे बढ़ेगी। राजस्थान के नेता किसी भी कार्यक्रम को करने की मंजूरी संगठन मंत्री और प्रदेश प्रभारी महासचिव से लें।

कोर कमेटी की बैठक में पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष विशेष रूप से उपस्थित हुये थे। बताया जाता है कि, अमित शाह के साथ ही बीएल संतोष ने भी जमकर नेताओं की खिंचाई की थी। बैठक में राजस्थान में कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे को स्वीकार करने का ज्ञापन देने विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी के घर गए भाजपा नेताओं द्वारा वसुंधरा राजे को नहीं बुलाने के बाद बढ़े विवाद पर भी पार्टी नेतृत्व द्वारा चर्चा की गयी। विधानसभा स्पीकर डॉ. सीपी जोशी को भाजपा के 12 विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा था। इसमें वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुईं थी। जबकि वह स्पीकर के आवास के ठीक सामने स्थित अपने बंगले पर मौजूद थीं। इस पर कटारिया ने स्वीकार किया कि उनको सूचना देने में उनसे चूक हुई है।

जेपी नड्डा हर बार राजस्थान भाजपा नेताओं के साथ बैठक में गहलोत सरकार के खिलाफ बड़ा माहौल तैयार करने के निर्देश देते रहे हैं। इसके बावजूद पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, राजेंद्र राठौड़, गुलाबचन्द कटारिया जैसे नेताओं को छोड़कर ज्यादातर बड़े नेता और केंद्रीय मंत्री पार्टी के बड़े धरने-प्रदर्शनों और आंदोलनों में नहीं पहुंचते हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बांसवाड़ा-डूंगरपुर क्षेत्र में वागड़ जनजाति गौरव पदयात्रा निकाली। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया उदयपुर संभाग के होने के बावजूद कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं थी। सीकर के लक्ष्मणगढ़ में हुए भाजपा के किसान आक्रोश सम्मेलन में वसुंधरा राजे, गुलाबचन्द कटारिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यमंत्री कैलाश चैधरी जैसे कई सीनियर नेता नहीं पहुंचे। चर्चा है कि इन नेताओं को आमंत्रित ही नहीं किया गया था।

राजस्थान में भाजपा नेताओं की 'एकला चलो' की नीति और देवदर्शन, धार्मिक यात्रा के नाम पर खुद का स्वागत, अभिनंदन कार्यक्रम करवाने और जगह-जगह जन सभाएं करने की शिकायत पार्टी आलाकमान तक पहुंची है। प्रदेश में पार्टी को सूचना दिए बिना इस तरह की यात्राएं करने पर भाजपा संगठन में नाराजगी है। पार्टी के पहले से निर्धारित कार्यक्रमों मे भी सीनियर नेता नहीं पहुंच रहे हैं। पार्टी नेताओं को एकजुट होने की बार-बार नसीहत देने के बावजूद गुटबाजी और अंदरुनी कलह बार-बार उजागर हो रही है। ऐसे में पार्टी की मौजूदा परिस्थितियों को सुधारने के लिये भाजपा आलाकमान को ही मैदान में उतरना होगा। जिसकी शुरूआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मानगढ़ धाम यात्रा से हो रही है।

अपना लक्ष्य निर्धारित करें और सर्वांगिण विकास पर ध्यान दें- महापौर श्री पटेल

माही की गूंज, रतलाम।

विद्यार्थी शासन की सुविधाओं का लाभ लेते हुए अपना लक्ष्य निर्धारित करें, बेहतर पढ़ाई करें, खेल गतिविधियों में शामिल हों और अपना सर्वांगीण विकास करें। शासन द्वारा शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को सभी अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इन अवसरों का लाभ लेकर आगे बढ़ना और अपना बेहतर भविष्य निर्माण करना हर विद्यार्थी का लक्ष्य होना चाहिए।

उक्त विचार शासकीय कन्या शिक्षा परिसर रतलाम में आयोजित छात्रावास दिवस समारोह में महापौर प्रहलाद पटेल ने व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि अपने माता-पिता एवं गुरुओं के प्रति सदैव सम्मान का भाव रखें तथा इनके द्वारा बताए गए मार्ग का अनुसरण करें। उन्होंने कन्या शिक्षा परिसर में विद्यार्थियों को दी जा रही शिक्षा एवं समस्त सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि, इतना अच्छा अवसर विद्यार्थियों को मिल रहा है। इसका पूरा लाभ लेते हुए आगे बढ़ें। विशेष अतिथि श्री जयवंत कोठारी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बहुत सीख लेने का होता है। यही जीवन हमारे भविष्य की दिशा को निर्धारित करता है। यहां विद्यार्थी अपने शिक्षा के प्रति समर्पित होकर अच्छे से अच्छा परिणाम देने का लक्ष्य रखें।

अध्यक्षता करते हुए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीमती पारुल जैन ने कहा कि, सभी बालिकाएं अनुशासित होकर अपने जीवन को बेहतर बनाएं। उन्होंने कहा कि कन्या शिक्षा परिसर के माध्यम से बालिकाओं को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध हो रहे हैं, इसका पूरा लाभ लें तथा छात्रावास में रहते हुए अच्छे से अच्छे परिणाम देने के प्रति संकल्पित रहें।

संस्था प्राचार्य गणतंत्र मेहता ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि, कन्या शिक्षा परिसर में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ उन्हें विभिन्न गतिविधियों से भी जोड़ा गया है। सभी विद्यार्थी अपनी शिक्षा के साथ विभिन्न गतिविधियों से जुड़कर बेहतर भविष्य निर्माण की दिशा में प्रयासरत हैं।

प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अतिथियों का स्वागत गणतंत्र मेहता, वीरेंद्र सिंह राठौर, श्रीमती मनीषा खराड़ी, छात्रावास अधीक्षक श्रीमती सीमा कनेरिया, श्रीमती सुनीता हारी सहित विद्यार्थियों ने किया। कार्यक्रम का संचालन आशीष दशोत्तर ने किया। खेल गतिविधियों का भी हुआ शुभारंभ महापौर प्रहलाद पटेल, जयवंत कोठारी, सहायक आयुक्त श्रीमती पारूल जैन ने कबड्डी मैच के साथ खेल गतिविधियों की भी शुरुआत करवाई। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें आगामी दिनों में होने वाली गतिविधियों के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। इस दौरान संस्था के शैक्षणिक स्टाफ सहित विद्यार्थी मौजूद थे।

निष्पक्ष कार्रवाई कर के दिखाए सीएम- जीतू पटवारी

माही की गूंज, मंदसौर।

कमलनाथ सरकार के पूर्व मंत्री व कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी मंदसौर प्रवास पर आए। उन्होंने कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओ से आने वाले चुनावों के लिए तैयार रहकर जीतोड़ मेहनत करने की बात कही वहीं गुटों में बटी कांग्रेस पर कहा कि, पहले सभी कार्यकर्ता अपने दिलों को जोड़े तभी भारत जोड़ों यात्रा सफल हों पाएगी। इस दौरान उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं के पहुंचने की अपील भी की।

एक आंख एक हाथ बन्द कर कार्रवाई कर रही सरकार

प्रदेश में चल रहे माफिया अभियान पर सरकार आरोप लगाते हुए कहा कि, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक आंख और एक हाथ से माफियाओं पर कार्रवाई कर रहे हैं। कांग्रेस ने कमलनाथ सरकार में निष्पक्ष रूप से कार्रवाई की थी ये शिवराज नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि, सीएम को असल में सही कार्रवाई करना है तो निष्पक्ष कार्रवाई कर के दिखाए। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि, मंदसौर विधायक का घर नाले पर अतिक्रमण में बना है। सीएम में नैतिकता है तो निष्पक्ष रूप से जांच कर कार्रवाई कर के दिखाए। उन्होंने यह भी कहा की विधायक का घर टूटे वे इसलिए नही कह रहे हैं। सीएम से कह रहा हूं की वो न्याय करें।

बिजली बिल पर सब्सिडी लेने में जिला संभाग में तीसरे नंबर पर

माही की गूंज, मंदसौर।

बिजली की सब्सिडी लेने में मंदसौर जिला संभाग में तीसरे नंबर पर है। बिजली कंपनी ने पिछले 30 दिन में संभाग में 13 लाख उपभोक्ताओं को बिजली पर सब्सिडी दी। इसमें जिले के 2 लाख 17 हजार उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ उठाया और बिजली पर सब्सिडी ली। वहीं संभाग में पहले नंबर पर उज्जैन है और तीसरे नंबर पर मंदसौर और देवास जिले के उपभोक्ता रहे हैं। बिजली कंपनी ने गृह ज्योति योजना चला रखी है। इसमें कंपनी द्वारा बिजली पर सब्सिडी दी जाती है।

30 दिन में अधिकतम 150 यूनिट खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को पहले 100 यूनिट तक 100 रुपए में बिजली दी जाती है। 150 यूनिट तक की खपत वाले उपभोक्ता इसके दायरे में आते हैं। 30 दिन में 150 यूनिट और औसत प्रतिदिन 5 यूनिट अधिकतम खपत वाले उपभोक्ता ही इस योजना के लिए पात्रता रखते है। इससे ज्यादा खपत होने पर उस माह की सब्सिडी नहीं दी जाती है। उज्जैन संभाग में 13 लाख उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ लिया है।

कहां कितने उपभोक्ताओं को मिली सब्सिडी

उज्जैन जिले में 2 लाख 96 हजार उपभोक्ता, रतलाम जिले में 2 लाख 37 हजार उपभोक्ता, मंदसौर जिले में 2 लाख 17 हजार उपभोक्ता, नीमच जिले में 1 लाख 27 हजार उपभोक्ता, देवास ज़िले में 2 लाख 17 हजार उपभोक्ता, आगर जिले में 82 हजार उपभोक्ता वही शाजापुर जिले में 1 लाख 32 हजार उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया है।

बिजली कंपनी के एमडी अमित तोमर ने बताया, गृह ज्योति योजना के तहत मालवा और निमाड़ में एक माह के दौरान 31 लाख 60 हजार घरेलू उपभोक्ता लाभान्वित हुए है। इन उपभोक्ताओं को 141 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी है। कंपनी क्षेत्र के लगभग 84 फीसदी उपभोक्ता इस योजना के तहत लाभान्वित हुए है।

प्रभारी मंत्री पहुंचे जिले के दौरे पर, इंतजार करते हुए तीन एनसीसी छात्राएं हुई बेहोश

माही की गूंज, मंदसौर।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तिगांव मंदसौर पहुंचे। जहां उन्होंने रिनोवेट किए गए कुशाभाऊ ठाकरे आडिटोटियम का लोकार्पण किया। इस दौरान आडिटोरियम में स्थापित की गया कुशाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा का भी अनावरण किया। इससे पहले उन्होंने कृषि विभाग के 52 लाख से निर्मित परियोजना संचालक 'आत्मा' के संयुक्त कार्यालय भवन का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि, महाकाल लोक की तरह हैं मंदसौर में भी पशुपतिनाथ लोक की कार्य योजना बनाई जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कलेक्ट्रेट भवन के सभा हाल में अधिकारियों जनप्रतिनिधियों की बैठक भी ली। इस दौरान सीएम जनसेवा योजना में पात्र लोगो को लाभ प्रदान करने के निर्देश भी दिए। प्रभारी ने कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए।

दो घण्टे धूप में खड़ी रही एनसीसी छात्राए तीन गश खाकर गिरी

नव सज्जित किए गए कुशाभाऊ ठाकरे आडिटोरियम का लोकार्पण प्रभारी मंत्री के हाथों होना था। कार्यक्रम में स्वागत के लिए स्कूल और कॉलेज की एनसीसी कैडेट के छात्र-छात्राओं को कड़ी धूप में खड़ा किया गया। छात्र करीब दो घंटे धूम में खड़े रही। प्रभारी मंत्री के पहुंचते ही एक के बाद एक कतार में खड़ी तीन छात्राए गश्त खाकर गिर पड़ी। मौके पर मौजूद लोगों ने बेहोश हुई छात्राओं को एक तरफ ले जाकर उन्हें पानी पिलाया। हालांकि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रभारी मंत्री को इसकी भनक तक नही लगने दी।

पशुपतिनाथ मंदिर के निकट बने शहस्त्र लिंग मंदिर में हुए घटिया निर्माण और शहर में निजी अस्पतालों के के अतिक्रमण के सवाल पर जांच के निर्देश दिए गए।

बच्चे पूरा मन लगाकर पढे जिस भी क्षेत्र में रूचि हो उसके लिए कडी मेहनत करें- कलेक्टर सिंह

माही की गूंज, अलीराजपुर। म.प्र.स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस के अवसर पर शासकीय आदिवासी उत्कृष्ट सीनियर कन्या छात्रावास अलीराजपुर में आयोजित कायर्क्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने स्कूल छात्रावाओं को संबोधित करते हुए उन्हें पूरे मन से पढाई करते हुए बेहतर केरियर को चुनने का आह्वान किया। उन्होंने बालिकाओं से कहा स्कूली जीवन प्रत्येक व्यक्ति का महत्वपूर्ण पडाव होता है। इसमें अपने केरियर के लिए कडी मेहनत करें, खूब मन लगाकर पढाई करें। उन्होंने सभी से आह्वान किया परीक्षाओं की तैयारी खूब मन लगाकर करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी से आह्वान किया कि, बाल विवाह का प्रतिकार करें। बाल विवाह केरियर के बढते सपनों को अवरोध उत्पन्न करता है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने बालिकाओं से छात्रावास की व्यवस्थाओं नाश्ता भोजन आदि की जानकारी ली। उन्होंने बालिकाओं को सर्दी के मौसम में गर्म पानी उपलब्ध हो इसके लिए गीजर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास परिसर का निरीक्षण करते हुए बेहतर व्यवस्थाओं संबंधित निर्देश भी दिए। कायर्क्रम को सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग जीएस डामोर जिला परिवहन अधिकारी वीरेन्द्र सिंह यादव ने संबोधित किया। कायर्क्रम में स्कूली बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति स्वागत गीत सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। कायर्क्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र का पूजन, दीप प्रज्जवलन, पुष्पमाला अर्पित करते हुए किया गया। जिलेभर में छात्रावास दिवस पर आयोजन हुए। जिसमें स्कूली बच्चों ने पूरे उत्साह से भाग लिया।

सलमान कांग्रेस जिला अध्यक्ष व बगदु सिंह जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, भानपुरा।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के मार्गदर्शन में राहुल गांधी युवा शक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रंजीत प्रभू मोरे, प्रदेश प्रभारी सुरेश पटेल धाकड़, मध्य प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह राजपूत की अनुशंसा पर मध्य प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष अकील कुरैशी के द्वारा सलमान हुसैन अंसारी को मंदसौर जिला अध्यक्ष एवं बगदु सिंह तंवर को मंदसौर जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद शुभचिंतकों द्वारा बधाई दी गई।

सलमान हुसैन अंसारी और बगदू सिंह तवर ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया व कहा कि, दी गई जिम्मेदारी का पूर्ण इमानदारी के साथ निर्वाहन करेगे। सलमान हुसैन अंसारी पूर्व में भी यूथ कांग्रेस विधानसभा गरोठ भानपुरा सचिव के पद पर रह चुके है।

कांग्रेस जिलाउपाध्यक्ष बगदु सिंह तंवर

कांग्रेस जिलाध्यक्ष सलमान हुसैन अंसारी

पेंशनर्स एसोसिएशन ने पीएम को लिखा पत्र

माही की गूंज, मंदसौर।

मांगों के निराकरण के लिए पेंशनरों ने मंगलवार को पीएम को पत्र लिखा। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे सीएम शिवराजसिंह चौहान को समस्या निराकरण का निर्देश दें। पत्र में मप्र- छत्तीसगढ़ पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 (6) समाप्त करने, जुलाई 2019 से केंद्रीय पेंशनर्स के अनुरूप राहत देने, एरियर का भुगतान करने, जुलाई 2022 से 38 प्रतिशत राहत देने, पेंशनर्स के स्वास्थ्य के लिए आयुष्मान कार्ड योजना लागू की जाए, 1 जनवरी 2006 से 31 अगस्त 2008 तक 32 माह और 1 जनवरी 2016 से 31 मार्च 2018 तक छठे व सातवें वेतनमान के एरियर्स का भुगतान किया जाए। एमपीईबी के पेंशनरों को लंबित 6 प्रतिशत डीआर दिया जाए सहित अन्य मांगें लिखीं। एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सतीश नागर, भारत पेंशनर समाज के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अशोककुमार शर्मा, उपाध्यक्ष बलवंतसिंह कोठारी, पेंशनर एसोसिएशन एमपीईबी के अजीतकुमार जैन सहित सदस्यों ने पीएम को पत्र भेजा।

124 वारंटियों की हुई गिरफ्तारी

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

पुलिस अधीक्षक जगदीश डाबर ने जब से शाजापुर जिले में पदस्थ हुए तब से ही उन्होने अपराध को खत्म करने के कई फैसले लिए है। इसी क्रम में 150 पुलिसकर्मियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 124 गिरफ्तारियां की है। शाजापुर जिले में उज्जैन रेंज के आईजी व डीआईजी द्वारा कॉम्बिंग गश्त किए जाने हेतु निर्देशित किया गया, जिस पर एसपी जगदीश डावर के मार्गदर्शन व नेतृत्व में जिला स्तरीय कॉम्बिंग गश्त की गई।

एएसपी टीएस बघेल ने बताया कि, पुलिस विभाग के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारीगण एवं चौकी प्रभारीगण हमराह बल के साथ पुलिस जिले में गश्त कर कार्रवाई की गई है। कॉम्बिग गश्त के दौरान संपत्ति संबंधी एवं अन्य अपराधों में फरार आरोपी, स्थाई वारंटी गिरफ्तारी वारंटी एवं निगरानी बदमाशों की चैकिंग डे में दबिश आदि कार्रवाई विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई। उन्हौने बताया कि, गश्त के दौरान वारंटीयो के निवास स्थान एवं संभावित अन्य स्थानो पर तलाश एवं दबिश दी गई। थाना कोतवाली क्षेत्र में कुल 8 स्थाई 8 गिरफ्तारी, थाना लालघाटी क्षेत्र मे 2 स्थाई 5 गिरफ्तारी, थाना मक्सी मे 3 स्थाई 15 गिरफ्तारी, थाना सुनेरा में कुल 2 स्थाई, 14 गिरफ्तारी, थाना मो. अ. बड़ोदिया में 10 स्थाई 5 गिरफ्तारी, थाना बेरछा में कुल 2 स्थाई 3 गिरफ्तारी, थाना सुंदरसी में 1 स्थाई 1 गिरफ्तारी, थाना सलसलाई मे 1 स्थाई 05 गिरफ्तारी, थाना शुजालपुर सिटी में 4 गिरफ्तारी, थाना शुजालपुर मण्डी में 2 स्थाई 8 गिरफ्तारी, थाना अकोदिया 2 स्थाई 10 गिरफ्तारी, थाना बडोदिया में 3 स्थाई 2 गिरफ्तारी तथा थाना कालापीपल में 3 स्थाई 5 गिरफ्तारी वारंटीयों को अलग-अलग टीमो द्वारा गिरफ्तार किया गया।

एएसपी श्री बघेल ने बताया कि, विभिन्न अपराधिक मामलों में वांछित कुल 124 वारंटीयो को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है तथा कॉम्बिंग गश्त के दौरान संपत्ति संबंधी एवं अन्य मामलों में खोली गयीं निगरानीशुदा 60 निगरानी बदमाशों की चैकिंग भी रात्रि में की गई है। चैकिंग के दौरान कई अन्य स्थानो एवं डेरो पर भी तलाशी एवं दबिश दी गई है। इस प्रकार जिले में लम्बे समय से फरार बदमाशो, अपराधियों की धरपकड़ करने में पुलिस ने उल्लेखनिय सफलता प्राप्त की है और यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। एएसपी श्री बघेल ने बताया कि, कॉम्बिंग गश्त ड्यूटी में एसडीओपी बेरछा भविष्य भास्कर, थाना प्रभारीगण सुन्दरसी, सलसलाई, शुजालपुर सिटी व मण्डी, अकोदिया, अ.बडोदिया, कालापीपल तथा थाना प्रभारी कोतवाली, लालघाटी, मक्सी, सुनेरा, मो.बडोदिया व थाना प्रभारी यातायात, महिला थाना एवं थाना प्रभारी अजाक एवं हमराह बल द्वारा कॉम्बिग गश्त ड्यूटी की जाकर कार्यवाही में शामिल रहे। अभियान में उल्लेखनिय कार्य करने वाले अधिकारियों / कर्मचारियों को एसपी जगदीश डावर ने ईनाम देने की घोषणा की गई है।

लाइव देखा गया लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 का शुभारंभ कार्यक्रम

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा बुधवार को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का लाईव प्रसारण जिले में भी देखा गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम शहीद भीमा नायक महाविद्यालय बड़वानी में आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश के केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, गणमान्यजन लोकेश शुक्ला सहित लाड़ली बालिकाओं, उनके अभिभावको, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ एवं सहायिकाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम के दौरान विशाल एलईडी के माध्यम से मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को सुना एवं देखा गया। कन्या पूजन के साथ हुई कार्यक्रम की शुरूआत मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के तहत मनाये गये लाड़ली उत्सव के अंतर्गत केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने सर्वप्रथम कन्याओं का पूजन किया।

इस दौरान केबिनेट मंत्री ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि, आज के समय में बेटियां किसी से कम नही है, बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। और यह बात हमारे देश एवं प्रदेश के लिए गौरव की बात है। वह माता-पिता सौभाग्यशाली होते है, जिनके आंगन में बेटियां मुस्कुराती है। बेटियां अब किसी पर बोझ नही है। बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा तथा उनके विवाह तक की सभी जिम्मेदारियां प्रदेश की सरकार ने ले ली है। अब बेटियों को उच्च शिक्षा पर मिलेंगे 25 हजार रुपये की राशि कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री शिवराजसिंह वर्मा ने बताया कि लाड़ली लक्ष्मी योजना बेटियों के लिए प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। योजना के तहत बालिका को कक्षा छठवी में 2 हजार रुपये, कक्षा 9वीं में 4 हजार रुपये तथा कक्षा 12 में 6 हजार रुपये की राशि मिलती है। तथा अब लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 में बालिका को महाविद्यालय में प्रवेश लेने पर 12 हजार 500 रुपये की राशि तथा ग्रेज्युएशन पूर्ण करने पर 12 हजार 500 रुपये की राशि प्राप्त होगी। राजपुर नगर में भी हुआ लाड़ली लक्ष्मी कार्यक्रम का प्रसारण लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 का शुभारंभ अवसर पर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम का लाईव प्रसारण राजपुर नगर के समस्त 15 वार्डो में देखा गया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष ओम सोनी, नवीन गुप्ता सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 की सराहना सभी के द्वारा की गई। सभी ने मुक्त कण्ठ से मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए इस योजना को प्रदेश की लाड़ली बेटियों के लिए सार्थक बताया।

लाडली वाटिका और लाडली पथ का हुआ लोकार्पण

माही की गूंज, खरगोन।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को भोपाल से लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 का शुभारंभ किया है। इस कार्यक्रम में खरगोन की लाडली कृतिका को भी प्रोत्साहन राशि की पहली किस्त के रूप में 12 हजार 500 रुपये का चेक प्रदाय किया गया। भोपाल में आयोजित हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम को स्वामी विवेकानंद सभागृह में भी प्रसारित किया गया। यहां मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष व जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बापूसिंह परिहार ने परिसर में लाडलियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

खरगोन नगर में बुधवार को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई तंवर ने कलेक्टर परिसर स्थित गार्डन का लाडली लक्ष्मी वाटिका और नवग्रह मंदिर के पास स्थित नवीन ब्रिज से गायत्री मंदिर तक के डायवर्शन रोड का लाडली पथ के रूप में लोकापर्ण किया। इस दौरान कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा, महिला एवं बाल विकास की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रत्ना शर्मा, नपा अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी मौजूद रही। लाडली लक्ष्मी वाटिका में मुख्य अतिथि और कलेक्टर कुमार व राजेन्द्र राठौड़ ने पौधेरोपण भी किया। यहां महिला जनप्रतिनिधि और महिला अधिकारियों ने आंवला नवमी के अवसर पर आंवले का पौधा भी रौपा।

70 बाह्यस्रोत कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए किया सम्मानित

माही की गूंज, खरगोन।

मध्यप्रदेश के 67 वें स्थापना दिवस के अवसर पर मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी खरगोन के वृत्त मुख्यालय खरगोन पर आयोजित भव्य समारोह में अधीक्षण यंत्री डीके गाठे ने खरगोन वृत्त के अधीनस्थ विभिन्न वितरण केन्द्रों पर पदस्थ लाईन कर्मचारियों के सहयोगी बाह्यस्त्रोत कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य किए जाने पर कंपनी का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री गाठे द्वारा बताया गया कि, कंपनी की राजस्व, तकनीकी एवं अन्य विभिन्न गतिविधियों के संचालन में स्थायी अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ ही बाह्यस्त्रोत कर्मचारी महती भूमिका निभा रहे हैं। सम्मानित होने वाले कर्मियों द्वारा सुचारू विद्युत आपूर्ति, उपभोक्ता समस्याओं का त्वरित निराकरण, फोटो मीटर रीडिंग, नवीन विद्युत संयोजन, डोर टू डोर राजस्व संग्रहण आदि अनेकानेक कार्यों दक्षता एवं योग्यता के साथ कार्य किया गया है। जिससे कंपनी स्तर पर खरगोन वृत्त की प्रभावी छवि उभर कर सामने आयी है। इन कर्मियों द्वारा सुरक्षा साधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अपने कार्यक्षेत्र के अंतर्गत होने वाली गंभीर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में भी प्रभावी भूमिका निभाई गई है।

आयोजित समारोह में खरगोन के कार्यपालन यंत्री श्रीकांत बारस्कर, अनूप जोशी एवं एसएस वर्मा, कार्यपालन यंत्री (एसटीएम) द्वारा प्रमुख रूप से उपस्थित रहकर कर्मचारियों का उत्साह वर्धन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मध्यप्रदेश गान के साथ आराध्य देवी सरस्वती के पूजन तथा प्रभात जोशर द्वारा अपने मधुर कंठ से सरस्वती वंदना गायन के साथ की गयी। आयोजन में खरगोन, बड़वाह, मण्डलेश्वर संभागों के कर्मचारियों के साथ ही खरगोन मुख्यालय से आरके चतुर्वेदी, मनीष अलावा, रामकृष्ण कानूनगो, महेन्द्रसिंह चौहान, प्रभात जोशर, गजेन्द्र गीते, अतीन्द्र वर्मा, मोहन वर्मा, मुकेश बार्चे, राजेन्द्रसिंह नथेले आदि उपस्थित थे।

बेड़िया मिर्च मंडी में व्यापारियों को हो रही समस्याओं का किया जाएगा निराकरण

माही की गूंज, खरगोन।

बड़वाह जनपद के भ्रमण से पूर्व कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम और एसपी धर्मवीर सिंह ने बेड़िया स्थित मिर्च मंडी का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने मिर्च व्यापारियों से मंडी और खरगोन में मिर्च उत्पादन से सम्बंधित जानकारियां ली। व्यापारियों ने लेवलिंग की समस्या बताते हुए कहा कि, नवीन मंडी में पर्याप्त जगह नहीं होने से बाहर मंडी संचालित करना पड़ रही है। मंडी में लेवलिंग और अतिक्रमण होने की समस्या व्यापारी सुनील पटवारिया और मुकेश बांदरे ने बताई। मंडी निरीक्षण के दौरान मंडी सचिव योगेंद्र बर्वे से भी इस संबंध में जानकारी ली गई।

कलेक्टर कुमार ने एसडीएम बीएस कलेश को निर्देश देते हुए कहा कि, अतिक्रमण की जांच करे और लेवलिंग की समस्या को एक सप्ताह में दूर करे। दोनों ही अधिकारी सनावद-बड़वाह क्षेत्र में 4 नवम्बर से प्रारम्भ होने वाली पंचक्रोशी यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुँचे थे। इसी दौरान रुककर मंडी का अवलोकन किया।

5 से 7 वैरायटी बहुतायत में होती है उत्पादित

मंडी व्यापारियों ने कलेक्टर एसपी को चर्चा के दौरान बताया कि, खरगोन के अलावा बड़वानी औा धार खंडवा से भी मिर्च बेड़िया मंडी में आती है। यहां लगातार 6 माह तक मिर्च का व्यापार चलता रहता है। समस्या सुनने के बाद कलेक्टर कुमार ने एसडीएम कलेश से मिर्च मंडी में अतिक्रमण दूर करने के लिए समय की जानकारी भी ली। स्वयं एसडीएम श्री कलेश ने एक सप्ताह में अतिक्रमण दूर करने का समय दिया।

नशा मुक्त समाज बनाने के लिए सामुदायिक प्रयास में विद्यार्थियों की भूमिका अहम -कैबिनेट मंत्री पटेल

माही की गूंज, बड़वानी।

नशा मुक्त ग्राम से ही नशा मुक्त जिला होगा और सभी जिले मिलकर ही संपूर्ण मध्य प्रदेश के नशा मुक्ति के महा संकल्प को साकार करेगे। उक्त बातें शिवकुंज आशाग्राम में उत्कृष्ट विद्यालय एवं सीएम राइस स्कूल बड़वानी के विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाते हुए सामाजिक न्याय निशक्तजन कल्याण एवं पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने कही। उन्होंने कहा, यदि हमारा मन पक्का है तो विचार दृढ़ होगा और यदि विचार दृढ़ है तो नशा मुक्ति संकल्प पूर्ण होगा इसी भाव के साथ विद्यार्थी घर घर जाकर नशा मुक्ति की अलख जगाए। आशाग्राम ट्रस्ट के संयोजन में आयोजित नशा मुक्ति जन जागरण आभियान के दौरान शिवकुंज से कैबिनेट मंत्री प्रेम सिंह पटेल ने नशा मुक्ति के संकल्प को दोहरा कर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा प्रारम्भ की गई नशा मुक्ति अभियान पहल को आगे बढ़ाने का सभी से आह्वान किया। इस दौरान रासेयों के जिला संगठक मुजाल्दे उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एवं शिविर के संयोजक जगदीश गुजराती अनिल मिश्रा सहित आशाग्राम ट्रस्ट के स्वयंसेवक एवं उत्कृष्ट विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे।

कन्या महाविद्यालय में संभाग स्तरीय महिला शतरंज प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय कन्या महाविद्यालय खरगोन में संभाग स्तरीय महिला शतरंज विधा का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। सर्वप्रथम मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश गान से कार्यक्रम का आरंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. एमके गोखले द्वारा की गई। डॉ. आरके यादव द्वारा समस्त अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, पीजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा, विशेष अतिथि डॉ. एके श्रीवास्तव आब्जर्वर शतरंज, विशेष अतिथि चयन समिति के अध्यक्ष डॉ. सीएस श्रीवास्तव एवं सदस्य डॉ. अजय रमैय्या देवी अहिल्या वि'वविद्यालय इन्दौर थे। शतरंज स्पर्धा के निर्णायक आर्बीटर श्री अजय सोनी इन्दौर, सुश्री सुभांगी अकोदिया इन्दौर, सुश्री मोनिका साहु इन्दौर द्वारा छात्राओं को शतरंज के नियमों से अवगत कराया गया। प्राचार्य डॉ. गोखले के स्वागत भाषण पश्चात् स्पर्धा शुभारंभ की घोषणा की गई। कार्यक्रम प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी डॉ.बीएल भाटे ने आभार एवं संचालन डॉ. सेवंती डावर ने किया। इस दौरान महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।

जिला पंचायत की बैठक में वित्त आयोग की कार्ययोजना पर हुई चर्चा

माही की गूंज, बड़वानी। जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को जिला पंचायत सभागृह बड़वानी में सामान्य सभा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 15 वित्त आयोग जिला स्तर की प्राप्त राशि से वित्तीय वर्ष 22-23 में निर्माण कार्यों की कार्य योजना हेतु विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पावर पाईंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बनाई गई कार्ययोजना को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन वर्मा, जिला पंचायत सदस्य श्री बरमा सोलंकी, करणसिंह दरबार, श्रीमती गीता चौहान, दरबार डावर, श्रीमती अमृता यादव, भायदास महारया, श्रीमती लेदलीबाई नेवल्या, श्रीमती राजकला सोलंकी, श्रीमती कविता आर्य, श्रीमती जामबाई रमेश, जुलाल वसावे, राजपुर विधायक बाला बच्चन के प्रतिनिधि प्यारसिंह दरबार, जनपद पंचायत पाटी अध्यक्ष थानसिंह सस्ते सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

पंचक्रोशी यात्रा के दौरान स्वच्छता का रखें पूरा ख्याल- कलेक्टर

माही की गूंज, खरगोन।

पंचक्रोशी यात्रा की तैयारियों के लिए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम और एसपी धर्मवीर सिंह ने बड़वाह जनपद के सभागृह में विधायक सचिन बिरला की मौजूदगी में बैठक की। कलेक्टर कुमार ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस वर्ष की पंचक्रोशी यात्रा में स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वच्छता पहली प्राथमिकता होगी। रात्रि विश्राम स्थलों सनावद, टोकसर और बड़वाह में इससे जुड़े बिंदुओं को सुनिश्चित करे। मेडिकल टीम के साथ एम्बुलेंस अनिवार्य रूप से रहे। साथ ही बिजली विभाग के अधिकारी बिजली के साथ ही इस पर भी गौर करे कि कही शार्ट सर्किट न हो कही भी बिजली के तार खुले न रहे। वही नगर पालिका सीएमओ के अलावा जनपद सीईओ पानी की पूरी व्यवस्था के साथ स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें। जिस समय यात्री स्थल से प्रस्थान कर जाए उसके कुछ समय बाद वह स्थल पूरी तरह साफ हो ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए कार्य करे।

बैठक में एसडीएम बीएस कलेश, पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री विजय सिंह पंवार, तहसीलदार रंजना पाटीदार, जनपद सीईओ रोहित पचौरी, सीएमओ बड़वाह व सनावद, आरईएस केई जगदीश पंवार, एमपीईबी के एसडीओ व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी रात्रि विश्राम स्थलों पर बनेंगे अस्थाई शौचालय

बैठक में कलेक्टर कुमार ने सीएमओ और जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि सभी रात्रि विश्राम स्थलों पर अनिवार्य रूप से अस्थायी शौचालय बनाये। सनावद में दो मंडियों, 4 धर्मशालाओं सहित स्कूलों में यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। दोनों मंडियों में 20-20 अस्थायी शौचालय बनाने को कहा है। साथ ही सभी रात्रि विश्राम स्थलों पर फॉगिंग भी अनिवार्य रूप से कराएंगे। एसपी श्री सिंह ने कहा कि नाव प्रमाणीकरण के लिए जो समिति निर्धारित है। इसके द्वारा नावों का प्रमाणीकरण होने के बाद ही नाव चालाई जाएगी। वही केवल एक स्थल जो निर्धारित है उसी से पंचक्रोशी यात्रियों को पार किया जाएगा। अगर अन्य स्थलों से यात्री नर्मदा पार करते हैं तो उस पर पाबंदी लगाई जाए। टीआई श्री रोमड़े ऐसे स्थल चयन करेंगे।

विधायक स्वच्छता के लिए गांवों में करेंगे बैठक

बैठक के दौरान उपस्थित विधायक बिरला ने कहा कि, वे भी गांवों में बैठक पर स्वच्छता के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करेंगे। यह एक अच्छा अवसर है ग्रामीण नागरिकों का मेहमानवाजी करने का। इससे गाँव मे अच्छा संदेश जाएगा।

रा.से.यो. का सात दिवसीय विशेष ग्रामीण शिविर शुरू

माही की गूंज, बड़वानी।

''परिश्रम सफलता की कुंजी है अभ्यास के साथ साथ अपने व्यक्तित्व विकास कर सकते हैं। में भी आपके जैसे छोटे से गॉव से हूँ और आज आपके सामने मंत्री बनकर खडा हूँ। आप भी मेहनत करे बडे बन सकते है।'' उक्त बात मध्य प्रदेष शासन के केबीनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने रा.से.यो के सात दिवसीय विशेष ग्रामीण शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे कही इस अवसर पर माननीय मंत्रीजी द्वारा रा.से.यो.इकाई को संसाधन हेतु 51 हजार रूपये की आर्थिक राषि देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संगठक डॉ. आरएस मुजाल्दा व विशेष अतिथि के रूप मे आरएस जाधव उपस्थित थे। ज्ञात हो कि, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बड़वानी व सीएम राईज शासकीय उमावि बड़वानी की रा.से.यो इकाई का सात दिवसीय विशेष ग्रामीण शिविर ग्राम पंचायत कसरावद कुण्डिया बसाहट व एकलरा बसाहट मे आयोजित किया गया है। शिविर के द्वितीय दिवस प्रातः सत्र मे शिवकुंज के स्वयसेवक सचिन दुबे द्वारा ध्यान, योग, प्राणयाम व सुर्य नमस्कार की गतिविधियॉ करवाई गई। परियोजना सत्र मे स्वयंसेवको द्वारा 5 ट्राली गाजर घास व खरपतवार हटाई गई। बौद्धिक सत्र मे महिला सषक्तिकरण व हमारा समाज विषय पर व्याख्यान हेतु अतिथि वक्ता के रूप मे डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर जिला बड़वानी उपस्थित हुई। आपके द्वारा महिला सशक्तिकरण के कई उदाहरणो के माध्यम से स्वयंसेवको को बताकर महिलाओं के प्रति सम्मान के भाव को जागृत करने का सफल प्रयास किया। सायं काल ग्राम सम्पर्क के पष्चात् स्वयंसेवको के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम मे लोकगीत की प्रस्तुति दी जावेगी।

उक्त शिविर का आयोजन रासेयो कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रकाश गढ़वाल, जिला संगठक डॉ. आरएस मुजाल्दा संस्था प्राचार्य आर एस जाधव व पवन कुमार गोयल के मार्गदर्शन व कार्यक्रम अधिकारी जगदीश गुजराती व हिम्मत सिंह जोगचंद के नेतृत्व मे लगाया गया है इस अवसर पर कृष्णा यादव, विनेश धनगर परमल बडोले, संदीप राठौर सहित 100 स्वयंसेवक उपस्थित थे।

मोरबी पुल हादसे में मृत लोगों को युवा कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

माही की गूंज, अलीराजपुर।

गुजरात के मोरबी में रविवार रात को बड़ा हादसा हो गया। यहां के मच्छु नदी में बना केबल ब्रिज अचानक टूट जाने से कई लोग नदी में गिर गए, इस हादसे में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। जिसको लेकर युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष और समाजसेवी तरुण मंडलोई के नेतृत्व में अलीराजपुर युवा कांग्रेस ने हादसे में मृत लोगों को दिप प्रज्वलित व मोन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा घायल लोगो के सकुशल ओर सुरक्षित होने की कामना की। उक्त कार्यक्रम युवा कांग्रेस ने सोमवार को शाम 7 बजे बस स्टैंड चौराहे पर रख गया था तथा केण्डिल मार्च मोन धारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

बताया जा रहा है कि, हादसे के वक्त पुल पर 400 से ज्यादा लोग मौजूद थे। यहां के मच्छु नदी में बना केबल ब्रिज अचानक टूट जाने से कई लोग नदी में गिर गए। इस हादसे में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। ये लोग रविवार की छुट्टी होने पर ब्रिज पर घूमने पहुंचे थे रेस्क्यू के लिए सेना, नेवी, एयरफोर्स एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ की टीमें जुटी थी।

रविवार को गुजरात के सौराष्ट्र के मोरबी शहर के मच्छु नदी पर स्थित झूलता पुल टूट गया, जिसमें सैकड़ों बेगुनाह मौत के गर्त में समा गए। उल्लेखनीय है कि, इस पुल का पिछले 6 माह से नवीनीकरण (रिनोवेशन) किया जा रहा था। पुल के जीर्णोंधार में कई अनियमितताएं दिखाई देती हैं पुल के रख-रखाव का काम निम्नस्तरीय कराया गया। जिससे विगत दिवस यह पुल टूटकर धराशायी हो गया और सैकड़ों लोगों को अपनी जान गंवाना पड़ी। उपरोक्त घटना में जिन निर्दोष लोगों की जानें गईं हैं, अलीराजपुर युवा कांग्रेस उन मृतक जनों के प्रति अपनी श्रृद्धांजलि व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के साथ सहानुभूति रखती है।

उक्त कार्यक्रम में युवा कांग्रेस वि. अध्यक्ष तरुण मंडलोई ने कहा, जिम्मेदारी तय कर उचित कार्यवाही की जाना चाहिए। साथ ही मृतक परिवारजनों को उचित मुवाअजा राशि देने की मांग भी रखी गई। इस अवसर पर अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम सेठ, विधायक प्रतिनिधि खुर्शीद दीवान, साहनी मकरानी, राहुल परिहार, मंडल अध्यक्ष धनसिंह चौहान, मनीष चौहान, संदीप सांखला, जीतू देवड़ा, इरफान मंसूरी, दिनेश प्रजापत, लालू चौहान, नितिन भिड़े, ज्ञानू तड़वाल, पिंटू सेन, प्रदीप सोनी, सातू पचाया, करमसिह मडलोय, हाबला पचाया, मुकेश चौहान, दिनेश चौहान, विजय पचाया, सैलेश माली, प्रकाश तिलोरिया, रितिक, अरुण, राघव, मोहित माली, विक्की डुडवे, प्रतीक, चंकी माली, लोकेश बिल्वा, विकाश माली आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अम्बे माता मंदिर में अन्नकूट महोत्सव संपन्न

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ की प्रसिद्ध टेकरी वाली अम्बे माता मंदिर तथा शंकर मंदिर प्रांगण में स्थित अम्बे माता मंदिर में अन्नकूट महोत्सव मनाया गया।

गूंज संवादाता को टेकरी वाली अम्बे माता मंदिर के पुजारी आत्माराम भूरिया ने बताया कि, प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी आंवला नवमी के उपलक्ष्य में माताजी को छप्पन भोग की प्रसादी के साथ ही मौसमी मिश्री सब्जियों के प्रसाद का भोग लगाया जाकर महाआरती पश्चात भक्तों को प्रसादी वितरित की गई। इसी तरह शंकर मंदिर प्रांगण में स्थित अम्बे माता मंदिर पर राठौड़ समाज के दीपक रमेश राठौड़ की ओर से अन्नकूट का आयोजन किया गया तथा प्रसादी वितरित की गई व समाज जनों को सामूहिक भोज भी कराया गया। अम्बे माता मंदिर टेकरी पर कार्यक्रम में आम्बुआ, अलीराजपुर, जोबट, आजाद नगर, नानपुर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र बोरझाड़, सेवड़, मोटाउमर, आगौनी, इटारा, हरदासपुर, टेमाची से अनेक भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की कार्यक्रम माता भक्तों के सहयोग से संपन्न किया गया।

खुलासा: 4 चोरियों में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विगत दिनों कस्बा अलीराजपुर मे अज्ञात आरोपियों के द्वारा एक के बाद एक लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम देकर घटना कारित की गई थी। जिसमें मुख्यत बोहरावाडी में सोना, चांदी के जेवरात एवं पंचमुखी हनुमान मंदिर से मुकूट चोरी सहित दो अन्य स्थानों पर चोरी की वारदातें की गई थी। जिस पर प्रत्येक घटना पर से अज्ञात बदमाशों के विरूद्ध 4 प्रकरण पंजीबद्ध कर घटना को अनुसंधान में लिया गया था।

अज्ञात आरोपियों की धरपकड हेतु पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर एसआर सेन्गर व एसडीओपी अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सोनकर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शिवराम तरोले के अधीनस्थ टीम गठित की गई थी। गठित पुलिस टीम के द्वारा अज्ञात आरोपियों की धरपकड हेतु लगातार घटना दिनांक से ही गंभीरता से प्रायास किए जानें के फलस्वरूप उक्त घटना के अज्ञात आरोपियों के बारें में अपने मुखबीर तंत्र से जानकारी प्राप्त हुई। जिस पर आरोपी कमलेश पिता कालु, निवासी ककराना थाना सोण्डवा, सुरेश पिता डंगुरिया निवासी चिचलगुडा एवं लक्ष्मण पिता शेरसिंह, निवासी सेमलपाटी को गिरफतार करने मे सफलता प्राप्त हुई है। गिरफतार आरोपियों से इनसे चुडी, अंगुठी, पेण्डल टॉप्स सभी सोने के, मंदीर से चुराया गया चांदी का मुकुट एवं 5 बोरा सलाई धूप कुल कीमती 3 लाख 64 हजार 500 रुपए का जप्त किया गया है।

एसडीओपी अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सोनकर ने बताया कि, 19 सितंबर को बस स्टैण्ड के पास ग्रामीण बैंक में भी उक्त गिरफतार आरोपियों के द्वारा चोरी का प्रयास किया गया था। कोतवाली पुलिस टीम के प्रभारी निरीक्षक शिवराम तरोले एवं इनके अधीनस्थ टीम के अन्य सदस्यों को उक्त सराहनीय कार्य के लिये इनके उत्सावर्धन हेतु पृथक से विभागीय प्रक्रिया अनुसार पुरुस्कृत करने की कार्रवाई की जा रही है।

11 एवं 12 नवंबर को आयोजित होगी वनवासी लीलाओं की प्रस्तुतियां

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के परिपालन में मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा तैयार रामकथा साहित्य में वर्णित वनवासी चरित्रों पर आधारित वनवासी लीलाओं क्रमशः भक्तिमती शबरी और निषादराज गुह्य की प्रस्तुतियां जिला प्रशासन के सहयोग से प्रदेश के 89 जनजातीय ब्लॉकों में होंगी। इस क्रम में जिला प्रशासन अलीराजपुर के सहयोग से दो दिवसीय वनवासी लीलाओं की प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं। प्रस्तुतियों की श्रृंखला में 11 नवंबर को राजबाड़ा परिसर में सुश्री कीर्ति प्रमाणिक उज्जैन द्वारा वनवासी लीला नाट्य भक्तिमति शबरी एवं 12 नवंबर को निषादराज गुह्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इन दोनों ही प्रस्तुति का आलेख योगेश त्रिपाठी एवं संगीत संयोजन मिलिन्द त्रिवेदी द्वारा किया गया है। कायर्क्रम प्रतिदिन सायं 7 बजे से आयोजित किया जायेगा।

लीला की कथाएं

वनवासी लीला नाट्य भक्तिमति शबरी कथा में बताया कि, पिछले जन्म में माता शबरी एक रानी थीं। जो भक्ति करना चाहती थीं लेकिन माता शबरी को राजा भक्ति करने से मना कर देते हैं। तब शबरी मां गंगा से अगले जन्म भक्ति करने की बात कहकर गंगा में डूब कर अपने प्राण त्याग देती हैं। अगले दृश्य में शबरी का दूसरा जन्म होता है और गंगा किनारे गिरि वन में बसे भील समुदाय को शबरी गंगा से मिलती हैं। भील समुदाय शबरी का लालन-पालन करते हैं और शबरी युवावस्था में आती हैं तो उनका विवाह करने का प्रयोजन किया जाता है। लेकिन अपने विवाह में जानवरों की बलि देने का विरोध करते हुए, वे घर छोड़ कर घूमते हुए मतंग ऋषि के आश्रम में पहुंचती हैं, जहां ऋषि मतंग माता शबरी को दीक्षा देते हैं। आश्रम में कई कपि भी रहते हैं जो माता शबरी का अपमान करते हैं। अत्यधिक वृद्धावस्था होने के कारण मतंग ऋषि माता शबरी से कहते हैं कि, इस जन्म में मुझे तो भगवान राम के दशर्न नहीं हुए, लेकिन तुम जरूर इंतजार करना भगवान जरूर दर्शन देंगे। लीला के अगले दृश्य में गिद्धराज मिलाप कबंद्धा सुर संवाद भगवान राम एवं माता शबरी मिलाप प्रसंग मंचित किए गए। भगवान राम एवं माता शबरी मिलाप प्रसंग में भगवान राम माता शबरी को नवधा भक्ति कथा सुनाते हैं और शबरी उन्हें माता सीता तक पहुंचने वाले मार्ग के बारे में बताती हैं। लीला नाट्य के अगले दृश्य में शबरी समाधि ले लेती हैं।

वनवासी लीला नाट्य निषादराज गुह्य की शुरूआत में बताया कि, भगवान राम ने वन यात्रा में निषादराज से भेंट की। भगवान राम से निषाद अपने राज्य जाने के लिए कहते हैं लेकिन भगवान राम वनवास में 14 वर्ष बिताने की बात कहकर राज्य जाने से मना कर देते हैं। आगे के दृश्य गंगा तट पर भगवान राम केवट से गंगा पार पहुंचाने का आग्रह करते हैं लेकिन केवट बिना पांव पखारे उन्हें नाव पर बैठाने से इंकार कर देता है। केवट की प्रेम वाणी सुन, आज्ञा पाकर गंगाजल से केवट पांव पखारते हैं। नदी पार उतारने पर केवट राम से उतराई लेने से इंकार कर देते हैं। कहते हैं कि, हे प्रभु हम एक जात के हैं मैं गंगा पार कराता हूं और आप भवसागर से पार कराते हैं इसलिए उतरवाई नहीं लूंगा। लीला के अगले दृश्यों में भगवान राम चित्रकूट होते हुए पंचवटी पहुंचते हैं। सूत्रधार के माध्यम से कथा आगे बढ़ती है। रावण वध के बाद श्री राम अयोध्या लौटते हैं और उनका राज्याभिषेक होता है। लीला नाट्य में श्री राम और वनवासियों के परस्पर सम्बन्ध को उजागर किया गया।

कूप में से काका-भतीजे की 2 मोटर हुई चोरी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

वर्तमान में किसान गेंहू की फसल अपने-अपने खेतो में बोकर गेंहू, कपास आदि फसलो की सिंचाई में लगे हुए है। वहीं जिले में चोरी की बढ़ती घटनाओ से अछूते नही रह गए है। रामसिहं पिता नरसिहं बघेल जाति भील (48) निवासी ग्राम खेरवा भील फलिया ने पुलिस को बताया कि, 15 अक्टूबर शनिवार को मेरी और मेरे काका कुवंरसिहं पिता भुरसिहं की 5 हार्स पावर की 2 मोटर मेरे कूप पर लगी हुई थी। अगले दिन सुबह मै और कुवंरसिहं मोटर चालु करने कूप पर गए देखा तो कूप मे मेरी और मेरे काका कुवंरसिंह की मोटर नही थी। कोई अज्ञात बदमाश मेरी व काका कुवंरसिंह की पानी की मोटरे रात्री मे चुराकर ले गया। जिसके बाद हम दोनो ने अपनी-अपनी मोटरो को गावं व आसपास के गावों मे तलाश किया लेकिन मोटरे नही मिली। फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

सोमानी विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नवगठित नगर पालिका परिषद हेतु विधायक मुकेश पटेल द्वारा नगर पालिका संबंधी समस्त शासकीय कार्यों के लिए निधि सोमानी (थेपडिया) को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। श्रीमती थेपडिया की नियुक्ति पर नपाध्यक्ष सेना पटेल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, नपा उपाध्यक्ष साबिर बाबा, समस्त कांग्रेस पार्षदों, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया।

लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 के अंन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

माही की गूंज, धार।

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के तहत बुधवार को जिला मुख्यालय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम शांतिकुंज कॉलोनी में लाड़ली बेटियों के साथ विधायक श्रीमती नीना वर्मा, कलेक्टर डॉ. पंकज जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी केएल मीणा, नगर पालिका उपाध्यक्ष कालीचरण सोनवानिया द्वारा पौधा रोपण किया गया एवं लाड़ली लक्ष्मी वाटिका का लोकार्पण किया गया। इसके बाद अतिथियों द्वारा उदयरंजन क्लब घोड़ा चौपाटी होते हुए भोज चिकित्सालय धार की ओर जानी वाली रोड का लाड़ली पथ नामकरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा कन्या पूजन से किया।

इस अवसर पर लालबाग में आयोजित कार्यक्रम में सांसद छतरसिंह दरबार द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि, लाड़ली लक्ष्मी योजना मध्यप्रदेश शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। अब लाडली लक्ष्मी 2.0 के बाद बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिये भी शासन द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है। लाड़ली लक्ष्मी योजना से माता-पिता को बालिकाओं की शिक्षा और शादी की फिक्र करने की आवश्यकता नहीं रही। प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि कोई भी गरीब व्यक्ति निशुल्क इलाज से वंचित ना रहे। इसके लिए आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि, लोगों को आगे आकर इन योजनाओं का लाभ ले।

विधायक श्रीमती वर्मा ने कहा कि, बेटियो के जन्म के प्रति समाज में सकारात्मक परिवर्तन आया है तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत् बेटियों को पढ़ने-बढ़ने के अवसरों को और विस्तृत किया गया है। उन्होंने कहा कि, मुझे भी तीन बालिका होने पर बहुत गर्व है, बेटियां अपनी किस्मत खुद लेकर आती है उसके आने के बाद हर घर में जीवन में खुशहाली आती है। लाडली लक्ष्मी उत्सव के तहत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रवीन्द्र भवन भोपाल में आयोजित कार्यक्रम का लाईव टेलीकास्ट प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा लाडली बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना का प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम में कु परिधी एवं कु लक्ष्या पांडे द्वारा सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया गया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के तहत लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 का लॉन्च किया जा रहा है, इसके तहत लाडलियों को उच्च शिक्षा के लिये पहली बार प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, जो ग्रेजुएशन एवं वोकेशन कोर्स के लिये 25 हजार रूपए की राशि है। समाज में बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच उत्पन्न करने, बालिकाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाने, बाल विवाह की रोकथाम, परिवार नियोजन को प्रोत्साहित किये जाने हेतु लाड़ली लक्ष्मी योजना वर्ष 2007 से आरंभ की गई है। इसके तहत राज्य शासन द्वारा पात्र बालिकाओं को एक लाख 18 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान करता है। इसके तहत कक्षा 6 में प्रवेश पर 2 हजार, कक्षा 9 में प्रवेश पर 4 हजार, कक्षा 11 में प्रवेश पर 6 हजार, कक्षा 12 में प्रवेश पर 6 हजार तथा बालिका के कक्षा 12 उत्तीर्ण करने के साथ उसका विवाह 18 वर्ष होने के पश्चात होने पर बालिका के 21 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर एक लाख रूपये की सहायता राशि प्रदान की जायेगी। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के सदस्य, विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, आंगनवाडी पर्यवेक्षक, आंगनवाडी कार्यकर्ता व आम नागरिक उपस्थित रहे।

घटिया निर्माण से लेकर भराव के लिए मोरम की चोरी, फिर बिजली की चोरी

मोरबी हादसे से सबक लेने को तैयार नहीं है प्रशासन, चोर ठेकेदार की कारिस्तानी

सड़े हुए सरिए पर ही निर्माण कार्य किया शुरू, कोई देखने वाला नही

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

महावीर महाविद्यालय परिसर में बन रही दो करोड़ की साइंस बिल्डिंग में ठेकेदार द्वारा लगातार लापरवाही और घटिया निर्माण देखने को मिल रही है। जबाबदार पूरी तरह से ठेकेदार के पक्ष में उतर कर जैसे-तैसे बिल्डिंग को पूरा करवाकर खुद की साख बचाना चाह रहे है। देश मे कई ऐसे मामले हो चुके है जहां निर्माण एजेंसी और प्रशासन की अनदेखी व लापरवाही का नतीजा आम जनता को अपनी जान दे कर चुकाना पड़ा है। अभी हाल में गुजरात के मोरवी में एक बड़ा हादसा देखने को मिला, जिंसमे लगभग 150 लोग अपनी जान गवा चुके है, लेकिन ऐसे बड़े हादसों से भी स्थानीय प्रशासन और एजेंसियां सबक नही ले रही है और देश के भविष्य के लिए तैयार होने वाले दो करोड़ की लागत के भवन निर्माण में जारी घटिया निर्माण कि, लगातार अनदेखी कर भविष्य में किसी बड़ी घटना के होने का इंतज़ार करने में जुट गए है।

वीडियो बनता देख बिजली के तार बटोरता ठेकेदार का कर्मचारी।

वीडियो बनता देख बिजली के तार बटोरता ठेकेदार का कर्मचारी।

बिजली विभाग के तारो पर तार टॉंग कर चोरी करता ठेकेदार

दो साल से बन्द पड़े कार्य पर फिर शुरू हुआ निर्माण, कौनसे विभाग की क्लीनचिट के बाद शुरू हुआ निर्माण

महाविद्यालय परिसर में नई साइंस फैकेल्टी के छात्र-छात्राओं के लिए साइंस भवन का निर्माण किया जाना था, जो समय पर शुरू तो हुआ लेकिन नींव के कालम बीम खड़े करने के बाद ठेकेदार लापता हो गया। हाउसिंग बोर्ड माध्यम से बन रही बिल्डिंग का ठेकेदार काम छोड़ कर दो साल तक गायब रहा। तब तक किया हुआ कार्य पूरी तरह से खराब हो चुका था। इतनी बड़ी बिल्डिंग की मजबूती मुख्य आधार सभी कालम के सरिए लगभग सड़ कर कमजोर होने लग गए थे, लेकिन कार्य करवाने वाली एजेंसी ने उसी बन्द पड़े निर्माण पर ठेकेदार को क्लीनचिट देकर काम शुरू करवा दिया। भवन भविष्य में कितना मजबूत रहेगा इसकी कोई गारंटी नही है। बताया जा रहा है ठेकेदार द्वारा विभाग सहित प्रशासन और महाविद्यालय के जिम्मेदारो की भेंट पूजा कर कार्य शुरू कर दिया है, जिसके चलते मामले की शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई ठेकेदार पर अब तक देखने को नही मिली है।

पहले मोहर्रम चोरी, अब बिजली चोरी के साथ चल रहा है कार्य

बन्द पड़े इस कार्य मे नींव में भराव तक नही किया गया था। लेकिन जैसे ही ठेकेदार की साठ-गांठ हुई सबसे पहले ठेकेदार ने बरवेट रोड से रात के अंधेरे में पचासो डंम्फर मोहर्रम अवैध रूप से उठा कर भराव किया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नही हुई। मिली जानकारी के अनुसार एक रहवासी ने रात को हो रही अवैध खन्नन की जानकारी भी पूर्व कलेक्टर तक पहुँचाई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नही की गई। ठेकेदार प्रशासन के संरक्षण में हर मोर्चे पर चोरी करने में जुटा है। इससे पहले भी नींव भरते समय पास की पम्पावती नदी से बिना अनुमति पानी के उपयोग करने और सरिए काटने के लिए बिजली चोरी की जानकारी भी सामने आई है। जो अब भी जारी रखते हुए दोबारा काम शुरू करते समय ठेकेदार ने बिना बिजली विभाग से अस्थाई कमर्शियल कलेक्शन लिए बिना विभाग की जा रही लाइन पर नंगे तार टांग कर मनमर्जी से बिजली चोरी कर ली। मामले की जानकारी मिलने पर जब मौके पर पहुँचे तो ठेकेदार के कर्मचारी ने कैमरा देखकर तार उतारना शुरू कर दिए। वीडियो सामने आने के बाद बताया जा रहा है इसके बाद बिजली विभाग ने मौके पर मीटर टांग दिया। लेकिन पिछली बिजली चोरी के लिए क्या कार्यवाही की इसकी कोई जानकारी नही दी।

डस्ट का भी जम कर हो रहा उपयोग

ठेकेदार द्वारा रेत के स्थान पर गिट्टी से निकलने वाली डस्ट का जमकर उपयोग किया है और आज भी बालू रेत के साथ डस्ट का उपयोग जारी है। ठेकेदार अधिकारीयो ओर जिम्मेदारो की भेंट पूजा कर ठेकेदार पूरी वसुली बिल्डिंग के घटिया निर्माण ओर चोरी कर पूर्ति करने में लगा है। जैसे-जैसे कार्य आगे बढ़ेगा ठेकेदार की चोरी कई और कार्यो में सामने आना तय है जिसमे बिल्डिंग के दरवाजे, खिड़किया, लाइट, नल फिटिंग सहित कई और कार्यो में लापरवाही देखने को मिलेगी, पूरे मामले में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, कालेज के जनप्रतिनिधि सहित विधायक और सांसद सहित प्रशासन के अधिकारी तक मौन रह कर इस निर्माण को देख रहे है। शायद भविष्य में किसी बड़े हादसे या महाविद्यालय परिसर में भ्रष्टाचार की भेज चढ़ चुके, अनुपयोगी पड़े छात्रावास भवनों की हालत देख कर नींद खुले तो खुले।

ट्रेन की चपेट में आने से हुई मृत्यु

माही की गूंज, बामनिया।

बामनिया रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 2 बुजुर्ग दंपत्ति की डाउनलाइन ,बांद्रा-लखनऊ गाड़ी नंबर 20921 की चपेट में आने से मृत्यु हुई। जिनकी पहचान मनजी पिता हरजी सिंगाड उम्र 70 वर्ष और महिला गोबरी सिंगाड उम्र 63 वर्ष निवासी जूना खवासा के रूप में हुई। दोनों रिश्ते में पति-पत्नी थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बताया गया कि, दोनों दंपति भोपाल-दाहोद डेमू से उतरे थे जो कि, प्लेटफार्म पर ना उतर कर दूसरी तरफ उतरे जिससे मुंबई की तरफ से आने वाली ट्रेन की चपेट में आ गए।

जान जोखिम में डाल यात्रा करते है, पटरी पार करते, नही करते पैदल पुल का प्रयोग, आरपीएफ पुलिस के सामने होता है ये सब, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा। मेमू ट्रैन हो या डेमू ट्रेन या अन्य कोई यात्री ट्रेन में चढ़ने व उतरने के लिये प्लेटफार्म पर उतरने की बजाय पटरी वाली गलत तरफ से चढ़ते है, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। आरपीएफ पुलिस भी बस देखती रहती है इन्हें रोकने टोकने वाला कोई नही। ऐसे में पहले भी कई यात्रियों की जान जा चुकी है, ऐसे में शायद रेलवे को कोई बड़े हादसे का इंतजार है।

पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

माही की गूंज, पारा।

शराब माफिया वर्तमान दिनों में अवैध व्यापार करने में नए-नए तौर तरीके अपना कर किसी भी वाहन में अवैध सामग्री लोड कर देते है। सारी हदें पार कर कोई राशन गाड़ी में शराब भर कर, तो कोई एम्बुलेंस में, तो कोई साग-भाजी की गाड़ी में इसके अलावा अन्य वाहनों में भी अवैध शराब भर कर ढोए जाती है। पारा पुलिस को सरकारी व गेर सरकारी वाहनों की भी चेकिंग अभियान चलाना चाहिए। पुलिस कि मुकबीर की सूचना पर बड़ी कार्यवाही करती है। तो पारा व आस-पास के क्षेत्रों में 100 से 150 अवैध शराब दुकानें संचालित हो रही है। पुलिस शराब दुकानों से वाकिफ है। ज़िले के एस. डी. ओ. पी व टी. आई पारा पुलिस को धर पकड़ करने के लिए मार्ग दर्शन देती है। तो अब तक पारा व आस-पास के शराब माफियाओं की धर पकड़ क्यों नहीं की जाती है। पारा पुलिस निष्पक्ष व ईमानदारी से शराब माफियाओं पर कार्रवाई करे तो हाई रैंज के अलावा दूसरी शराब भारी मात्रा में जप्त कर सकती है।

अवैध शराब से भरी पिकअप पकड़ी

रविवार देर रात के दरमियान पारा पुलिस ने बिना नम्बर की सफेद पिकअप गाड़ी में अवैध रूप से भरी शराब पकड़ी। पारा चोकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड़ द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार मूकबीर की सूचना पर पारा-राजगढ़ मार्ग के बीच में दातिया घाटी पर पारा पुलिस ने घेरा बन्दी कर अवैध शराब से भरी पिकअप गाड़ी पकड़ी जिसमें दो आरोपियों सहित वाहन में भरी 80 हजार की शराब जप्त की। पारा पुलिस ने दोनों चालक आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बिना नंबर की पिकअप गाड़ी पारा पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया, पिकअप कि कीमत 5 लाख बताइ गई। वाहन में भरी 35 पेटी बियर बोतल, 10 पेटी सुपर टीन के डीबे, 2 पेटी देसी प्लेन मदिरा, एक पेटी ऑफिसर चॉयस, एक पेटी सुपर मास्टर, जिसकी कुल कीमत 80 हजार आकी गई। पुलिस ने अवैध शराब पकडी तो आरोपियों को भी पकड़ा व प्रकरण भी दर्ज हुआ। पारा पुलिस यह पता नहीं लगा सकी कि अवैध शराब कहा से लाई जा रही थी। व कहा पर ले जाय जा रही थी। यह हमारे समझ के परे है। कार्रवाई एस. डी. ओ. पी झाबुआ व टी. आई गड़रिया के मार्ग दर्शन में पारा चौकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड़ व अपनी पूरी टीम के साथ ए.एस.आई गोयल ए. एस. आई भेरू सिंह, प्रधान आरक्षक सुबाश, आरक्षक ए लाम का सराहनीय योगदान रहा।

विधायक व जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया छात्रावास का भूमि पूजन

माही की गूंज, थांदला। नगर से 10 किलोमीटर दूर ग्राम बेडावा में गुरुवार को तीन करोड़, तेतीस लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले छात्रावास का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर विधायक वीर सिंह भूरिया ने उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि, ग्रामीण क्षेत्र में जो विकास कार्य हो रहे हैं वह पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ही देन है। उक्त छात्रावास भवन के बनने से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी। विधायक भूरिया ने प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को भी सचेत किया। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती सोनल जसवंत बाबर ने व विशेष अतिथि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गेंदाल डामर व सरपंच वरसिंह भूरिया थे। इस अवसर पर पूर्व जनपद सदस्य रेशम डामर, शान्तु वसुनिया सहित कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे, ग्रामीणों ने विधायक वीरसिंह भूरिया को कई समस्याओं के संदर्भ में ज्ञापन भी सौंपा।

मंदिर पर चोरों ने किया हाथ साफ

20 दिनों में पांचवी वारदात, चोर पुलिस गिरफ्त से दूर

माही की गूंज, बामनिया।

बामनिया नवागत चौकी प्रभारी पृथ्वीराज सिंह डामोर के 20 दिनों के कार्यकाल में 5 चोरियों की घटना को चोरों ने अंजाम दिया हैं। बामनिया-पेटलावद रोड पर स्थित शंकर मंदिर पर बीती रात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। जिसमें भगवान के ऊपर का चांदी का छत्र, लाइटिंग का सामान और दान पेटी में से नगदी चुरा ले गए। उक्त चोरी की घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस के द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की गई।

जिला पत्रकार संघ की इकाई बामनिया पत्रकार संघ के अध्यक्ष जीतू वैरागी हुए मनोनीत

माही की गूंज, बामनिया।

जिला पत्रकार संघ इकाई बामनिया पत्रकार संघ का अध्यक्ष पत्रकार जितेन्द्र वैरागी (जीतू) को सर्वसहमति से चुना गया है। इस अवसर पर जिला पत्रकार संघ संरक्षक संजय भटेवरा, अध्यक्ष राजेश सोनी, शाबिर मंसूरी, दिलीप मालवीय, सत्तू ठाकुर,राजेश गेहलोद,गौरव भंडारी, उत्सव सोनी, आरिफ मंसूरी, पारस गरवाल, सुनील डामर, सुमित राठौर, सन्तोष बसोड़ की उपस्थिति में बामनिया पत्रकार संघ के अध्यक्ष तथा तहसील व जिला की कार्यकारणी के लिए नाम सर्वसहमति से नाम चुने गए।

नशे के कारोबार की उजागर होती परते, नशा मुक्ति अभियान की खोल रही पोल

कानून व्यवस्था को धत्ता बताकर जिले में धड़ल्ले से हो रहा नशीले पदार्थों का परिवहन व उत्पादन

माही की गूंज झाबुआ, मुज्जमील मंसुरी।

जिले में वर्तमान में नशीले पदार्थों के उत्पादन और परिवहन की खबरें लगातार उजागर हो रही है। जिला वैसे ही अवैध शराब परिवहन को लेकर काफी बदनाम है, लेकिन इस बार जिले ने एक नया इतिहास रचते हुए नया किर्तिमान गढ़ दिया है। जिले के अलग-अलग कस्बों व गांवों में हो रही गांजे की अवैध खेती कई सवालिया निशान उठा रही है। अब तक उजागर हुए सारे मामलों को एक साथ एक पटल पर रख कर अगर देखा जाए तो जिले में बड़ी मात्रा में गांजे की खेती अब तक होती आ रही थी। यह और बात है कि जिले में रहे पिछले अधिकारियों ने इस तरफ नजरे उठाने का साहस नहीं किया या उन्हे गांजे की खेती में कोई सरोकार नजर नहीं आया। यह भी हो सकता है कि जिस जिले में अवैध शराब का इतना बड़ा कारोबार हो वहां गांजे की फसल जैसे छोटे-मोटे मामले मायने नहीं रखते हो। हालांकि जिले के नए पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने अब इस तरफ नजरें की है तो परत दर परत गांजे की अवैध खेती के मामले उजागर होते नजर आ रहे है। पुलिस अधीक्षक जैन ने बहुत ही कम समय में गांजे की अवैध खेती पर पूरे जिले में बड़ी कार्रवाई की है। इसी के साथ कई मामले जिले में अवैध शराब परिवहन के भी उजागर किये है। अब सवाल यह है कि जैन साहब की यह मुहिम कब तक और किस रूप में चलती रहेगी। क्योंकि झाबुआ जिला आदिवासी बाहुल क्षेत्र होकर प्रदेश में अति पिछड़े जिलों में सुमार किया जाता रहा है। यहां की जनता अधिकतर पलायन पर निर्भर रहती है। अब हालात कुछ ऐसे दिखाई पड़ रहे है कि मानों पलायन का विकल्प जिले ने अवैध कारोबार के रूप में ढूंढ लिया हो। इसी का परिणाम है कि पिछले कुछ दिनों में अवैध शराब परिवहन और अवैध गांजे की खेती के कई मामले पुलिस द्वारा उजागर किए गए है।

हालांकि पिछले माह आलीराजपुर जिले से शुरू हुई अवैध गांजे की खेती के मामले उजागर होने के बाद झाबुआ जिले में भी एसपी अगम जैने इसे खिलाफ लगातार कार्रवाई का अभियान छेड़ दिया। अब जिले में अवैध गांजे की खेती के नित नए मामले सामने आते ही जा रहे है। अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अभियान चलाकर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। पिछले दिनों ग्राम कलमोड़ा में रतन पिता देवचंद मेड़ा के खेत में अवैध रूप से लगाए गए गांजे के 55 पौधे जप्त किये जिसकी कीमत 2 लाख 42 हजार के लगभग बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज तो कर लिया लेकिन मामले में मुख्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। इसी तरह पिटोल क्षेत्र के ग्राम मांडली में भी अवैध गांजे की खेती की जा रही थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए यहां दबिश दी और मुकेश पिता जेमाल अजरावनीया के घर के पास वाले खेत से दस गांजे के पौधे जप्त किए। यहां से जप्त 6 किलो गांजे की कीमत लगभग 60 हजार रुपये आंकी गई। यहां पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को भी गिरफ्तार किया है।

इसी दरमियान पुलिस ने जिले में अवैध शराब परिवहन पर भी पिछले कुछ दिनों में बड़ी कार्रवाई की है। पारा, पेटलावद और रानापुर क्षेत्र में शराब का अवैध परिवहन करते वाहनों को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पकड़ा है। इन वाहनों में लाखों रुपये की अवैध शराब जो पड़ोसी प्रदेश गुजरात में खपने के लिए जा रही थी जप्त की गई। हालांकि जानकारों की मानें तो यह माना जा रहा है कि पुलिस द्वारा की गई यह सारी कार्रवाई ''ऊंट के मुंह में जीरा ही है।'' क्योंकि जिला गुजरात और राजस्थान की सीमाओं से लगा हुआ है तो यहां से बड़ी मात्रा में अवैध शराब का परिवहन लगातार होता रहता है। सुत्रों की माने तो हर रोज बड़ी मात्रा में कई वाहनों से करोड़ों रुपये की अवैध शराब गुजरात और राजस्थान में खपत के लिए अवैध रूप से परिवहन की जाती है। जिले में अरबों रुपये में होने वाले शराब दुकानों के टेंडर इस तरफ साफ तौर पर इशारा करते है। चूंकि जिला आदिवासी बाहुल क्षेत्र है और यहां की कुल आबादी 11 लाख के लगभग है तो यह मुमकिन ही नहीं कि जिले की जनता इतनी नशेड़ी हो कि अरबों रुपये की शराब जिले में खप जाए। जिले की शराब दुकानों के अरबों रुपये के टेंडर सिर्फ इसी लिए होते है क्योंकि जिले से दो प्रदेशों की सीमाएं लगी हुई है और बड़ी मात्रा में जिले से अन्य प्रदेशों में अवैध शराब खपाई जा सके। बताने वाले बताते है कि इन दिनों जिले में चल रही अवैध शराब पर कार्रवाई सिर्फ नए पुलिस अधीक्षक की गर्मजोशी है या फिर इसका एक कारण साहब की जेब से भी जुड़ा हो सकता है।

जिला प्रशासनबढ़ते अपराधों का मुख्य कारण नशे को मानता है और इसी के मद्देनजर प्रशासन की एक मुहिम नशा मुक्ति अभियान भी है। मगर प्रशासन के इस अभियान की पोल जिले में खुलती नजर आ रही है। कारण यह है कि जिले में प्रशासन के इस अभियान का कोई औचित्य दिखाई नहीं पड़ रहा। आदिवासी बाहुल होने के चलते जिले की आबादी लगभग जनजाति वर्ग की है। आदिवासियों में परम्परागत रूप से मदिरा का अपना अलग ही स्थान है। हर शुभ अशुभ कार्य में मदिरा का उपयोग किया जाता है। इसी वजह से इसका सेवन भी होता है। हालांकि ऐसा बिलकुल नही है कि जिले का हर नागरिक पियक्कड़ है। हां मगर आदिवासी समाज में इसे आदर सत्कार के रूप में भी देखा जाता है जिसकी अपनी एक सीमा है। इसलिए प्रशासन का नशामुक्ति अभियान पराम्पराओं पर सिफर नजर आता है। इसके विपरीत बदलते परिदृश्य को अगर देखा जाए तो यह अंदाजा लगाना भी मुश्किल नहीं है कि जिले में अपराध किस तरह से बढ़ रहे है। बढ़ते इन अपराधों में शराब के सेवन की कोई खास भूमिका नहीं है।देखा जाए तो बढ़ते अपराधों का ग्राफ अब शराब परिवहन के कारण है। जिले के सीमावर्ती इलाकों में छोटे स्तर पर अवैध शराब परिवहन जमकर होता है। जिसमें दो पहियां व छोटे चार पहियां वाहनों का उपयोग अधिक होता है। अवैध धंधे की अकूत कमाई के लालच में ग्रामीण अपराधों की चपेट में आते जा रहे है। यही कारण है कि जिले के सभी सीमावर्ती इलाकों में जमकर शराब की अवैध तस्करी हो रही है और इस तरह की तस्करी में अधिकतर लोग स्थानीय ही है, जो सीमावर्ती इलाकों को अच्छी तरह से जानते है। जिले के सीमावर्ती इलाकों में शराब की यह अवैध तस्करी ग्रामीणों की आय का मुख्य हिस्सा बनती जा रही है। अधिक रुपयों के लालच में युवा इस अवैध धंधे में जमकर कूद रहे है और जाने अनजाने अपराधी बन रहे है। पुलिस की छुटपुट कार्रवाई का शिकार भी होते है और पुलिस रिकार्ड में अपराधी बन जाते है। पुलिस जिले में अब तक अवैध शराब परिवहन मामले में छुटपुट कार्रवाई करती ही नजर आ रही है। जबकि अवैध शराब परिवहन का यह कारोबार दिन दोगुनी और रात चौगुनी तरक्की करता ही दिखाई दे रहा है।

इसी तरह जिले में अवैध गांजे की खेती भी इन्ही कारणों की वजह से हो रही है। जिले में अब तक जहां भी गांजे की अवैध खेती पकड़ी गई और जो गांजा जप्त किया गया है। उसकी कीमत काफी ज्यादा है। यही कारण है कि अधिक रुपये के लालच में आकर जिले के ग्रामीण गांजे की खेती को अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अंजाम दे रहे है। जानकर या अनजाने में यह तो नही पता लेकिन ग्रामीण अधिक रुपया कमाने के लालच में इस तरह की खेती को अपराध के रुप में अंजाम दे रहे है। जिले में अपराधों के बढने का मुख्य कारण भी अवैध मादक पादार्थों का उत्पादन और परिवहन ही है, ना की शराब का सेवन...। अब देखना यह होगा कि पुलिस अधीक्षक अगम जैन जिले में इन मामलों में अपनी दक्षता दिखाएंगे या अपनी अनुभवहीनता का प्रदर्शन करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422